माघ शुक्ल पक्ष-12, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 276 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 मार्च 2024 गुरुवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मध्यप्रदेश में बजने लगी मोहन यादव की मुरलिया...

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को सूबे की कमान संभाले सौ दिन हो गए हैं। जब उन्हें साढ़े सोलह साल मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान की जगह प्रदेश की कमान सौंपी गई और वह भी कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटैल सरीखे दिग्गज नेताओं के सामने, तब उनका कद काफी बौना नजर आ रहा था। वैसे तो किसी नेता के मुख्यमंत्री के रूप में आकलन के लिए सौ दिन का वक्त कम होता है। कम से कम छह महीने का वक्त किसी मुख्यमंत्री के कद के आकलन के लिए जरूरी होता है। लेकिन इतने कम समय में ही मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री अपनी छाप छोड़ी है। उनके सौ दिन बुरे फैसलों के लिए कम अच्छे फैसलों के लिए ज्यादा याद किए जा सकते हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

राजनीतिक और रणनीतिक कला कौशल में तो शिवराज सिंह की कोई सानी नहीं थी। लेकिन प्रशासनिक मोर्चे पर उनका पक्ष सदा कमजोर नजर आया। लेकिन यादव ने राजनीतिक चतुराई के साथ ही प्रशासनिक दक्षता का जो प्रदर्शन किया है, उससे कहा जा सकता है कि वह सौ दिनों में बेहतर मुख्यमंत्री साबित हुए हैं। भाजपा के लंबे शासनकाल में प्रशासनिक धमक की कमी पूरी शिद्दत से महसूस की जाती रही है। लेकिन यादव ने सौ दिन में ही प्रशासनिक धाक कायम की है। गलत काम करने वाले अफसरों को चलता करने में उन्होंने जरा भी देरी नहीं लगाई। इससे प्रशासनिक गलियारों में उनको हल्का लेने के हिम्मत करने में अफसर हिचकते साफ देखे जा सकते हैं।

बात सिर्फ बेलगाम रहे नौकरशाहों पर लगाम कसने तक सीमित नहीं है। उन्होंने सामाजिक कल्याण की योजना से लेकर नारी सशक्तीकरण और गौ संवर्धन जैसे भाजपा के लिहाज से संवेदी पहलुओं को छुआ है। किसान कल्याण से लेकर महिला कल्याण की शिवराज सिंह चौहान के वक्त शुरू की गई योजनाओं से भी कोई छेड़छाड़ नहीं की है। नगरीय विकास को लेकर उनका अपना नजरिया तो है ही साथ में उन्होंने शहरों से लेकर सडड़ों तक के कायाकल्प के लिए मशहूर रहे अपने वरिष्ठ सहयोगी नेता कैलाश वियवर्गीय की मदद लेने मेंकोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। इसी तरह ग्रामीण विकास के मामले में प्रहलाद पटैल सरीखे वरिष्ठ साथी के ग्रामीण विजन को अपनाने में उन्होंने कोई गुरेज नहीं किया है। निर्णय लेने और गलत फैसलों को बदलने में वह कतई देरी नहीं करते । यही बात उन्हें एक अलग मुकाम पर खड़ा करती है।

साफ तौर पर कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव के मुहाने पर सदभाव और सामंजस्य की राजनीतिक पटरी पर अपनी विकास की रेल को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने प्रधानमंझी नरेंद्र मोदी और अमित शाह सरीखे पार्टी के शीर्ष दिग्गज नेताओं के मान सम्मान और उनकी भावनाओं का पूरा ध्यान रखते हुए अपने राजनीतिक सफरनामे को आगे बढ़ाने की कोशिश की है। सूबे में सभी 29 सीटों का सपना उनकी आंखों में हैं, इसके लिए वह पार्टी के हरेक नेता के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। फिर चाहे वह प्रदेश भाजपा के युवा तुर्क वीडी शर्मा हों या फिर वरिष्ठ सहयोगी नरेंद्र सिंह तोमर, राजेंद्र शुक्ला हों या सियासी फलक पर चमकता ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा चेहरा क्यों न हो, सभी का वह सहयोग ले रहे हैं।

मोहन यादव को इस बात का भी पूरा अंदाजा है कि भाजपा हाईकमान ने उन्हें लोकसभा चुनाव के ऐन पहले मुख्यमंत्री क्यों बनाया है? उन्हें पता है कि मोदी-शाह ने यादव को मुख्यमंत्री बनाकर उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा के यादव समाज के बंधुओं में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पिछड़ा वर्ग को आगे बढ़ाने वाली भाजपा को यादव समाज से कोई गुरेज नहीं है। विधानसभा चुनावों में यूपी में अखिलेश यादव और बिहार में लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव को यादव समाज के वोट भले ही बल्क में मिलते हों। लेकिन जब लोकसभा चुनावों की बारी आती है तो तकरीबन साठ फीसदी यादव समाज के वोट भाजपा और नरेंद्र मोदी के पाले में गिरते हैं। मोदी-शाह ने मोहन यादव को मप्र का मुख्यमंत्री बनाकर लोकसभा चुनाव में यादव समाज के सत्तर से नब्बे फीसदी वोट भाजपा के पक्ष में जुटाने का दांव खेला है।

मोहन यादव इसी के चलते पहले सौ दिन में जहां प्रदेश के विकास के लिए जरूरी योजनाओं को अंजाम देने के काम में लगे रहे और अब उनकी असली परीक्षा की बारी लोकसभा चुनावों में है। भाजपा यूपी और बिहार के साथ हरियाणा में यादव बाहुल्य सीटों पर उनका जमकर इस्तेमाल करने वाली है। मोहन यादव भी मध्यप्रदेश में अपनी सौ दिनों की पारी को आगे बढ़ाने के साथ ही इस मोर्चे पर रणनीति बना चुके हैं। हां यादव को सौ दिन की अपनी मुख्यमंत्री के बतौर यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए उन राजनीतिक, गैर राजनीतिक और कुछ प्रशासनिक क्षेत्र के लोगों से सावधान रहने की जरूरत जरूर है जो उनके अब तक के मुख्यमंत्री के बेदाग सफरनामे को दाग लगाने की कोशिश कर रहे हैं। यादव को यह तय करना है कि मोहन की मुरलिया सूबे के विकास और उनके अपने राजनीतिक ग्राफ को ऊंचा करने के लिए बजेगी या उनकी छवि खराब करने वालों के संरक्षण में। कर्म की महत्ता को तवज्जो देने वाले मोहन को उन्हें गढऩा या अकर्म को आगे बढाकर कर्म के रास्ते को छोडऩे की राह अपनाना है।

विंध्य के कई नेता भाजपा में हुए शामिल, एक और जत्था दहलीज पर...

मप्र भाजपा सेंधमारी में व्यस्त, दिल्ली में कांग्रेस बोली- यह खेल खतरनाक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव के लिए पहले दौर के नामांकन शुरू हो चुके हैं, वहीं सत्तारूढ भाजपा इस वक्त प्रतिद्वंदी कांग्रेस को पस्त करने के लिये पूरी ताकत से सेंधमारी में जुटी है। आज सतना-सीधी क्षेत्र के भी कुछ नेता कार्यकर्ता व पूर्व विधायक भाजपा में आए हैं, इनमें पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह, पूर्व महापौर पुष्कर सिंह तोमर व राजाराम त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह, सुधीर सिंह तोमर, मनीष तिवारी आदि हैं। यादवेंद्र नागौद से विधायक रहे हैं। हाल के विस चुनाव में कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन हार गये। कुछ कांग्रेस नेता अजय सिंह के समर्थक माने जा रहे हैं। वहीं भाजपा की नजर छिंदवाडा पर भी है, जहां वह कमलनाथ के गढ में एक और सेंध लगाने की कोशिश में है। नाथ के खास लेफ्टिनेंट दीपक सक्सेना के पुत्र अजय सक्सेना के आज सुबह कुछ समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होने की संभावना थी,मगर यह मिशन अब संभवतः दोपहर बाद पूरा होगा। आज के दलबदल को बड़ा झटका व विध्य में भाजपा के समीकरण सुधार के रूप में देखा जा सकता है। जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने दीपक सक्सेना का अपने पाले में लाने के लिये पूरी ताकत झोंकी थी लेकिन यह कोशिश कामयाब नहीं हो पा रही। सक्सेना मप्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं और विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर भी रहे हैं। वे कमलनाथ के साथ करीब चालीस साल से जुडे हैं। उन्होंने पांच साल पहले कमलनाथ के लिये अपनी विधाानसभा सदस्यता छोड़ी थी और नाथ यहां से उपचुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचे थे। हालांकि नाथ के कार्यकाल में दीपक सक्सेना को बडा ओहदा नहीं मिल सका था।

कांग्रेस की दूसरी सूची आज

मप्र के लिये आज कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी होने के पूरे आसार हैं। दोपहर बाद केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में टिकटों पर अंतिम मुहर लगेगी। पहली सूची में कांग्रेस दस उम्मीदवार ही चुन सकी थी,अब उसे 18 और चेहरे चुनने हैं, सूत्र बताते हैं कि पहले और दूसरे चरण के उम्मीदवारों का चुनाव अभी प्राथमिकता में हैं इसलिये संभव है कि कुछ नाम बाद में तय हों। पार्टी के समक्ष भोपाल,जबलपुर,इंदौर,गुना सीट पर उम्मीदवार का चुनाव मुश्किल हो रहा है। इन सीटों पर दिग्विजय सिंह,कमलनाथ,अरूण यादव,जीतू पटवारी पर चुनाव लड़ने का दबाव है। जानकारों का कहना है कि भोपाल के लिये कल रात तक विचार में जीपी माली और अरूण श्रीवास्तव के नाम सबसे ऊपर रहे थे। हालांकि संजीव सक्सेना,पीसी शर्मा,श्यामसुंदर श्रीवास्तव व रवि सक्सेना के नाम भी विचार में आ-जा रहे हैं। वहीं उमंग सिंघार ने कहा है कि वे खुद भी धार से चुनाव लड़ने को तैयार हैं,जबकि गुना से दिग्विजय सिंह और और जीतू पटवारी को इंदौर से चुनाव लड़ाना चाहिये। दरअसल मप्र में 19 अप्रैल को पहले चरण में सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा सीट पर मतदान होना है।

भाजपा ने चंदा बटोरा हमारे अकाउंट फ्रीज़ कराए: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खरगे ने कहा कि सत्ताधारी दल खतरनाक खेल खेल रहा है, भाजपा के विज्ञापन सब तरफ हैं। पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। चुनावी बॉन्ड को लेकर जो कुछ हुआ, वो सबके सामने है। खरगे ने कहा कि भाजपा ने गलत तरीके से चंदा लेकर अपनी झोली भर ली और कांग्रेस के खाते फ्रीज करवा दिए। अब कांग्रेस के सामने चुनाव लड़ने का संकट पैदा हो गया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी के अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं। हमारे पास प्रचार के पैसे नहीं हैं। राजनीतिक दल को असहाय बनाकर चुनाव लड़ने में बाधा उत्पन्न कर उसे निष्पक्ष चुनाव नहीं कहा जा सकता। खरगे ने कहा कि हमें सीताराम केसरी के समय के फंड को लेकर नोटिस दिए जा रहे हैं। वहीं सोनिया ने कहा कि उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है। यह कांग्रेस नहीं, लोकतंत्र पर हमला है। खड़गे ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा व कहा कि लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष चुनाव जरूरी है, ये सही नहीं जो सत्ता में हैं, उनका संसाधन पर, मीडिया पर एकाधिकार हो।

बदायूं मर्डर केस के आरोपी को भीड़ ने दबोचकर पुलिस के हवाले किया

बदायूं, एजेंसी।

बदायूं डबल मर्डर केस के दूसरे आरोपी जावेद को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जावेद को देर रात बरेली से गिरफ्तार किया गया। वह मोबाइल बंद कर दिल्ली भाग गया था। पुलिस की कई टीमें उसके पीछे लगी हुई थीं। अब वह बदायूं पुलिस के हवाले है। पुलिस उससे हत्या की वजहों पर पूछताछ कर रही है। इसके बाद हत्या की सही वजह सामने आने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि जावेद को देर रात बारादरी थाना क्षेत्र के सेटेलाईट बस स्टैंड पर स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा। इस दौरान लोगों ने उसका वीडियो बना लिया। जावेद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, वो ऑटो पर सवार दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हत्यारोपी साजिद को मुठभेड़ में मार गिराए जाने के बाद पुलिस दूसरे आरोपी जावेद को शिद्दत से तलाश रही थी। ज्ञात हो कि बदायूं में बाबा कॉलोनी में ठेकेदार विनोद कुमार के दो बेटों आयुष (13) और आहान (6) की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी।

अब हत्या का राज खुलने के आसार

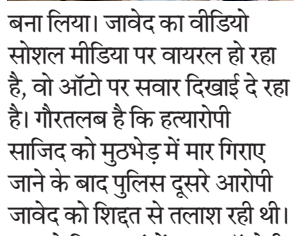

सिलेंडर ब्लास्ट से 5 लोग जिंदा जले

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बेहद दर्दनाक हादसे में एक घर में आग लगने से पांच लोग जिंदा जल गए। मरने वालों में 3 बच्चे और उनके माता पिता शामिल हैं। हादसे पर सूबे के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी दुख जताया है। यह घटना जयपुर में विश्वकर्मा के जैसल्या गांव के यादव मार्केट की है। जहां आग सबसे पहले घर में रखे सिलेंडर में लगी। जान गंवाने वाले सभी लोग बिहार के निवासी हैं, जो जयपुर के एक घर में रह रहे थे। हादसे की सूचना के बाद दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई. फॉरेंसिक टीम भी छानबीन में जुट गई है।

पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट में मांगी माफी

नई दिल्ली , एजेंसी। भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि ने अपने पुराने बयानों के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांग ली है। पतंजलि आयुर्वेद के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने हलफनामा दायर कर कहा कि उन्हें कंपनी के 'अपमानजनक वाक्यों' वाले विज्ञापन पर खेद है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस का जवाब नहीं देने पर आचार्य बालकृष्ण को 2 अप्रैल को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, इतना ही नहीं अदालत ने बाबा रामदेव को भी कारण बताओ नोटिस जारी कर 2 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा है।

केजरीवाल फिर कोर्ट पहुंचे- ईडी दंडात्मक कार्रवाई न करे

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अब दिल्ली हाईकोर्ट में नई याचिका दायर करके मांग की है कि ईडी को 'कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं' करने का निर्देश दिया जाए। सीएम केजरीवाल ने उच्च न्यायलय से कहा कि ईडी को अदालत के समक्ष यह आश्वासन देना चाहिए कि अगर मैं समन का पालन करता हूं, तो मेरे खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 9वीं बार समन भेजते हुए 21 मार्च यानी आज बुलाया था। पूछताछ से पहले उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख कर लिया। कोर्ट आज इस मामले की सुनवाई करेगा। कल दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 22 अप्रैल की तारीख लगाई है।

मेट्रो एंकर | महिलाओं का खतना करने की खतरनाक प्रथा...

एफजीएम पर यूनिसेफ ने रखा लक्ष्य तो चली उल्टी हवा..!

नई दिल्ली , एजेंसी।

यूं तो यूनिसेफ ने टारगेट रखा है कि वो महिलाओं के खतना की प्रथा को साल 2030 तक पूरी तरह से खत्म करवा देगा और इसी साल महिला दिवस के मौके पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए उसने यह भी बताया कि दुनिया में एफजीएम सर्वाइवर्स की संख्या 230 मिलियन से भी ऊपर है। इसके खतरों को देखते हुए कई देशों ने इस पर कानूनी पाबंदी भी लगाई, लेकिन गाम्बिया अब ऐसे देश के तौर पर सामने हैं जो बैन हटाने की सोच रहा है। इस तरह के 'खतना' में फीमेल जेनिटल कटिंग या म्यूटिलेशन में महिलाओं के बाहरी जननांग का एक हिस्सा ब्लेड या किसी धारदार चीज से काट दिया जाता है। धार्मिक मान्यताएं हैं कि इस दौरान उन्हें बेहोश भी नहीं किया जाता है, ये सब पूरी तरह से नॉन-मेडिकल ग्राउंड पर होता है, यानी ऐसा नहीं कि ये करना उसके शरीर की जरूरत हो। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो दिन पहले ही गाम्बियन लॉमेकर्स ने बैन हटाने को लेकर वोट किया, माना जा रहा है कि बहुत जल्द इस प्रैक्टिस को कानूनी हामी मिल जाएगी। इसकी वजह है धर्मगुरुओं का विरोध। खतना को गैरकानूनी बनाए जाने के बाद सरकार ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने लगी जो बच्चियों के साथ ऐसा करते थे। इस पर इस्लामिक धर्मगुरु नाराज हो गए। कुल मिलाकर गाम्बिया में हवा उल्टी चलती लग रही है। मानवाधिकार संस्थाएं भी डरी हुई हैं कि इसके बाद चाइल्ड मैरिज से पाबंदी भी हट जाएगी। कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं जो खुद इस प्रथा के सपोर्ट में आ चुकीं।

बताया जाता है कि इसकी प्रोसेस में यौनांग के ऊपरी हिस्से क्लिटोरिस को पूरी तरह से अलग कर दिया जाता है। क्लिटोरिस को आंशिक तौर पर हटाते हुए साथ में वल्वा के भीतर हिस्से को भी हटाया जाता है तथा वजाइनल ओपनिंग को सिलकर संकरा कर देते हैं। इसे एफजीएम को भले ही धार्मिक चोला पहनाया जाता रहा हो लेकिन असल में ये महिलाओं की यौन इच्छाओं पर कंट्रोल का एक टूल बना रहा है। खुद वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने माना था कि बच्चियों का कम उम्र में खतना कर दिया जाता है। इसके पीछे महिलाओं के शादी के पहले संबंध न बनाने, या फिर यौन सुख न पा सकने जैसी सोच हो सकती है।

कहां इसे मान्यता

डब्लयूएचओ ने इस प्रथा पर रोक लगाने के लिए वर्ल्ड हेल्थ असेंबली में एक रिजॉल्यूशन पास किया है, उसकी अपील का असर भी दिखा था तथा कई देशों में इसपर पाबंदी लग गई. लेकिन अंदर ही अंदर सब कुछ होता रहा। वहीं मुस्लिम-बहुल अफ्रीकी देशों में ये कॉमन प्रैक्टिस मानी जाती है। सोमालिया में 98 प्रतिशत से भी ज्यादा महिलाएं खतना की प्रक्रिया से गुजरती हैं। एशिया और लैटिन अमेरिका के मुस्लिम-बहुल समुदायों को मिलाकर कुछ 30 देशों में ये रिपोर्टेड तौर पर हो रहा है।

एनएलआइयू

साइबर लॉ पीजी में प्रवेश के लिए 15 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन

66 सीटों पर भारतीय और पांच विदेशी छात्र ले सकेंगे इस कोर्स में प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में स्थित राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआइयू) में मास्टर ऑफ साइबर लॉ एंड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी (एमसीएलआइएस) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विद्यार्थी 15 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। एनएलआइयू द्वारा संचालित इस कोर्स में 66 सीटों पर भारतीय विद्यार्थी और पांच विदेशी छात्र भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के लिए स्नातक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होना चाहिए। इसके अलावा उसे एनएलआइयू द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा भी क्वालिफाई करना अनिवार्य है। विद्यार्थी एनएलआइयू की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

12 मई को ऑल इंडिया रिटन एंट्रेंस टेस्ट

इसके लिए ऑल इंडिया रिटन एंट्रेंस टेस्ट 12 मई को होगा। इसमें 150 बहुविकल्पीय सवाल पूछे जाएंगे, जिन्हें दो घंटे में हल करना होगा। इसमें निगेटिव मार्किंग भी होगी। लिखित परीक्षा में 30 प्रश्न एप्टीट्यूड टेस्ट के, 30 प्रश्न जनरल अवेयरनेस, 30 प्रश्न इंग्लिश, 30 प्रश्न कंप्यूटर नॉलेज और 30 प्रश्न साइबर सिक्योरिटी से संबंधित होंगे। यह कोर्स चार सेमेस्टर में होगा। इसके अलावा साक्षात्कार भी होगा, जिसके लिए 50 अंक निर्धारित हैं। इंटरव्यू की प्रक्रिया 12 से 14 मई तक चलेगी।

मप्र मानव अधिकार आयोग: हमीदिया के रैन बसेरा में बुजुर्ग महिला की मौत, स्वास्थ्य आयुक्त से जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के हमीदिया अस्पताल के रैन बसेरा में एक 75 वर्षीय महिला की मौत हो जाने के मामले में संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मृतिका की मृत्यु के कारण की ईलाज की उपलब्धता एवं रैन बसेरा में रह रहे मरीजों के ईलाज, परामर्श एवं देखभाल की व्यवस्था के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही के बारे में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि इसी प्रकार अबतक हमीदिया के रैन बसेरा में सात अज्ञात लोगों की

जान जा चुकी है और कई लावारिश इलाज के इंतजार में अस्पताल के रैन बसेरा में रह रहे हैं।इसके अलावा आयोग ने बैतूल जिले के घो?ाडोंगरी तहसील के चोपना थानातंर्गत आने वाले आमडोह में एक किसान के खेत में माफियाओं द्वारा जेसीबी से अवैध उत्खन्न करने, झल्लार थानाक्षेत्र में शराब, सट्टा, जुआ जैसे अवैध कारोबार में लिप्त लोगों द्वारा खेत में काम कर रहे एक किसान को लाठी, डंडे, कुल्हाडत्री से मारपीट करने और विदिशा जिले की शमशाबाद तहसील के संजय सागर डैम के डूब क्षेत्र में आ रहे हितग्राहियों राशि नहीं मिलने के मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

युवक को जूते-चप्पल की माला पहनाई, मूत्र पिलाया

उज्जैन जिले के घट्टिया थानक्षेत्र के भाटपचलाना में बंजारा समाज के एक युवक द्वारा उसकी ही समाज की महिला को प्रेम-प्रसंग में अपने राजस्थान ले जाने पर ससुरालवालों द्वारा मारपीट कर, जूते-चप्पल की माला पहनाने, बाल काटने एवं मूल पिलाने की तालीबानी सजा देने का मामला सामने आया है। मामले में आयोग ने पुलिस अधीक्षक, उज्जैन से मामले की जांच कराकर दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही के सम्बन्ध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

24 को होलिका दहन के साथ ही पांच दिवसीय रंगों के पर्व की शुरुआत होगी

शहर में लगभग 2000 स्थानों पर होगा होलिका दहन, तैयारियां शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

होली 25 मार्च को है। 24 को होलिका दहन होगा। इस बार 2000 स्थानों पर होली जलेगी। गोकाष्ठ से अधिक स्थानों पर होलिका दहन होगा। इसे लेकर होलिका दहन उत्सव समितियों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी है। 24 मार्च से होलिका दहन के साथ ही पांच दिवसीय रंगों के पर्व की शुरुआत हो जाएगी। इस दौरान मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरूजी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया होलिका दहन पर इस बार छह विशेष योग धन शक्ति,त्रिग्रही,बुधादित्य, रवि, सर्वार्थ सिद्धि व वृद्धि योगों के साथ उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में होलिका दहन किया जाएगा। रामजीवन दुबे का कहना है इस बार होली 24 या 25 मार्च को इसको लेकर असमजंस की स्थिति देखने को मिल रही है। लेकिन पंचांग की गणना के अनुसार फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर प्रदोष काल में होलिका के पूजन की मान्यता है। इस बार 24 मार्च को रविवार के दिन उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र की साक्षी में प्रदोष काल के दौरान होलिका का पूजन होगा। कुछ स्थानों पर भद्रा के बाद पूजन की मान्यता बताई गई है । जबकि कन्या राशि के चंद्रमा की साक्षी में आने वाले पर्व पर भद्रा पाताल लोक में निवास करती है। इस दृष्टि से इसमें कोई दोष नहीं है, अर्थात प्रदोष काल में ही होलिका का पूजन होगा।

इन स्थानों पर होगा होलिका दहन

शहर में मुख्य रूप से चौक बाजार, इतवारा, बुधवारा, मंगलवारा, पीरगेट, रोशनपुरा चौराहा, चांदब?, सर्राफा बाजार, बस स्टेंड, करोंद, कोलार, आनंद नगर समेत 2000 स्थानों पर मुख्य रूप से होलिका का दहन किया जाएगा। इसी के साथ शहर की कॉलोनियों के लोग भी छोटे रूप में होलिका का दहन करेंगे। होली उत्सव समितियों तैयारियां शुरू कर दी है। तो वहीं अधिकांश समितियों द्वारा पर्यावरण की रक्षा के लिए गोकाष्ठ से व कंडों से दहन करेंगे।

यह रहेगा मुहुर्त: फाल्गुन पूर्णिमा 24 मार्च को सुबह 9 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ हो रही है, जो 25 मार्च को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर समाप्त हो रही है। ऐसे में होलिका दहन 24 मार्च और रंगों वाली होली 25 मार्च को खेली जाएगी।

चाइनीज़ गुलाल, लकड़ी की होली का बहिष्कार करेंगे कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के सरकारी कर्मचारियों के एक समूह ने सामूहिक निर्णय लिया है कि होली महोत्सव पर चाइनीस रंग गुलाल एवं होली की लकड़ी का प्रदेश भर में कर्मचारियों द्वारा बहिष्कार किया जाएगा। इसके बजाए हर्बल कलर गुलाल का उपयोग करने तथा लकड़ी के स्थान पर कास्ट की होली जलाने की मांग की गई है। कर्मचारी मंच के पदाधिकारियों ने अशोक पांडे की अध्यक्षता में बैठक में फैसला किया कि अब कर्मचारी कार्यालयों में जाकर कर्मचारियों से लकड़ी के स्थान पर कंडे की होली जलाने एवं चाइनीस कलर गुलाल के स्थान पर हर्बल गुलाल कलर से होली मनाने की अपील करेंगे। आज यह कर्मचारी संघ मंत्रालय वल्लभ भवन, विंध्याचल भवन, सतपुड़ा

कंडे होली जलाने एवं हर्बल गुलाल के उपयोग की अपील

भवन, वन भवन, नर्मदा भवन, लोक निर्माण भवन आदि में जाकर कर्मचारियों से यह अपील कर रहा है। मंच प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे का कहना है कि लकड़ी की होली जलाने से पर्यावरण को भारी नुकसान होता है साथ ही तापमान भी भारी मात्रा में बढ़ जाता है जिससे नागरिकों को काफी परेशानियां उत्पन्न होती हैं। इसलिए कर्मचारी मंच ने कर्मचारियों के साथ-साथ प्रदेश के नागरिकों से भी कास्ट की होली एवं हर्बल कलर गुलाल का उपयोग कर होली के इस महोत्सव को उत्साह से मनाने की अपील की है।

बीयू: स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, 36 विद्यार्थी हुए शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी एवं फार्मेसी विभाग द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो के संयुक्त तत्वाधान में स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उपयोगिता पर विभाग अध्यक्ष द्वारा प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि के रूप में अविनाश करोचिया, आर.एस.टी. ने भारतीय मानक ब्यूरो में की जाने वाली गतिविधियों और उनके द्वारा मोबाइल एप के बारे में एवं उसके द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं जैस कि उत्पादों का मानकीकरण, चिबिहतकरण एवं गुणवत्ता प्रमाणित गतिविधियों का अवलोकन एवं इससे जुड़े आकस्मिक मामलों तथा सामन्जस्य पूर्ण विकास एवं विश्वसनियता को सुनिश्चित करने की जानकारी प्रदान की। प्रतियोगिता के अंतर्गत फार्मेसी विभाग के 20 एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के 16 छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

अखिल भारतीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने दीपानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय सिंधी समाज के गोवा में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में नया अध्यक्ष त्रिलोक दीपानी को चुना गया है। सम्मेलन में देशभर से 200 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था।

गोवा सम्मेलन में हुआ चुनाव, एक ही नामांकन आया

चुनाव के लिए गुजरात हाई कोर्ट के वकील हरिकिशन चंदानी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया, जिन्होंने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र आमंत्रित किया, जिसके लिए त्रिलोक दीपानी ने अपना नामांकन पत्र चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे चुनाव अधिकारी द्वारा एक ही नाम आने के कारण निर्वाचित घोषित किया गया। नया अध्यक्ष बनने पर सिंधी प्रतिनिधियों ने दीपानी का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान झूलेलालजी की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुई। एजेंडा अनुसार सिंधी समाज से राजनीति में अपनी सहभागिता बढ़ाने की अपील की गई। तय किया गया की राजनीति में आने के लिए देश की राष्ट्रीय पार्टियों से सिंधी समाज को लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा एवं विधान परिषद में अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व देने के लिए पत्राचार किया जाएगा। तय किया गया कि केंद्र की दिल्ली सरकार से संस्था के लिए एक कार्यालय स्थापित करने के लिए वाजिब मूल्य या किराए पर दिल्ली में ऑफिस या बंगले की मांग की जाएगी। समाज सुधार के रूप में यह भी निर्णय किया गया कि सिंधी समाज में मृत्यु भोज पर बंदिश रहे।

लाइफ लाइन में विदाई पार्टी, गेम्स हुए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। आठवीं के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गयीं। आठवीं के विद्यार्थियों ने सातवीं के विद्यार्थियों को ज्ञान की ज्योति सौंपी। कार्यक्रम मे कई तरह की रोचक गतिविधियां की गईं। मिस ईवीई का खिताब साधना कुशवाह ओर मिस्टर ईवीई का खिताब महेश मेवाडा को दिया गया। भूमिका यादव मिस ब्यूटीफुल, मुस्कान विश्वकर्मा बेस्ट हेयर, चिंकी अहिरवार मिस मेनर्स, निकिता अहिरवार बेस्ट पर्सनलिटी, तमन्ना मालवीय स्माइल मेकर, रिया विश्वकर्मा एम.एस टेलेंटेड, भूपेन्द्र अहिरवार मिस्टर रिसपेक्टफुल और नितेश सिंह बघेल मिस्टर परफेकशन का खिलाफ से शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

बिग मेमसाब के लिए ऑडिशन आज होगा

हिरदाराम नगर। बिग मेमसाब ऑडिशन 21 मार्च को शाम 6 बजे से, प्ले होटल इन आरिया, हलालपुर बस स्टैंड के पास, लालघाटी, भोपाल में होगा, जिसमें 18 से 80 साल की महिलाएं हिस्से दारी करेंगी। ऑडिशन के आयोजक आनंद सबधाणी एवं निधी ने कहा कि अगर आपमें टैलेंट है, तो यही सही मौका है अपने टैलेंट को मंच देने का। संतनगर, लालघाटी, गाँधीनगर, पंचवटी, दाता कॉलोनी, विजय नगर, ईदगाहिल्स, जेल रोड, ग्रीन एकर्स समेत पूरे भोपाल की महिलाएं ऑडिशन का हिस्सा बन सकती हैं।

पूज्य सिंधी पंचायत का होली मिलन सम्मान समारोह 31 को

हिरदाराम नगर। पूज्य सिंधी पंचायत की साधारण सभा, सम्मान समारोह एवं होली मिलन कार्यक्रम 31 मार्च को होगा। पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। भगवान झूलेलालजी के अवतरण दिवस चैतीचांद पर होने वाले कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। बैठक की जानकारी देते हुए पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने बताया कि पंचायत का होली व रंगपंचमी मिलन एवं साधारण सभा की मीटिंग 31 मार्च को दोपहर 12 बजे नवयुवक सभा भवन में होगा। पंचायत द्वारा सिंधी अकादमी के पुरस्कार के लिए सिंधी साहित्यकार भगवान बाबानी,

विधानसभा अधिकारी मोहन मनवानी व सिंधी ब्राह्मण मण्डल का सम्मान करेगी। शहीद हेमू कालाणी का जन्मदिवस 23 मार्च को मनाया जाएगा। सुबह 10 बजे दशहरा मैदान स्थित शहीद हेमू कालाणी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। चैतीचांद पर भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा जो सिंधु समाज स्कूल भवन से निकलेगी उसकी सफलता के लिए संतनगर के सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यापारिक संगठनों की बैठक 6 मार्च को सुबह 11 बजे पंचायत कार्यालय में होगी। बैठक में वेदांत संत लाल साईं जी व कार्यक्रम संयोजक कन्हैयालाल इसरानी उपस्थित रहेंगे।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण शिविर, अनुभव सत्र

'प्राकृतिक आहार को अपनाकर पूर्णत: रोग मुक्त हो सकते हैं'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बीमार व्यक्ति को कोई नहीं पूछता है। सोच अच्छी है तो स्वास्थ स्वत: ठीक हो जाएगा। इस हॉस्पिटल का ध्येय है-संपूर्ण भारत को दर्द रहित और दवा रहित बनाना। संगति ऐसे व्यक्ति के साथ होना चाहिए जिसके विचार सकारात्मक हो और व्यसनों का सेवन नहीं करता हो। ये विचार यह विचार संत सिद्धभाऊजी ने व्यक्त किए। वे आरोग्य केन्द्र में चल रहे 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर के अनुभव सत्र में बोल रहे थे।

भाऊजी ने कहा कि कभी भी दूसरों की निंदा नहीं करनी चाहिए, दूसरो की निंदा करने व सुनने से उसके पापों व कर्मो का फल हमारे पास आ जाता हैं और हमारे पुण्यों का फल उनके पास चले जाता हैं परिणामस्वरूप हमारा जीवन दुखों से भर जाता हैं। हमें हमारे मन को शांत व आनंद में रखना चाहिए। हम अपने विचारों को निर्मल कर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीमारियाँ का मुख्य कारण हैं शरीर में टॉक्सिन का जमा होना उसका निवारण एक ही उन टॉक्सिन को बाहर निकालना हैं, भोजन परिवर्तन व उपचार के माध्यम से टॉक्सिन को बाहर निकालने में सहायता करते हैं। टॉक्सिन सिर्फ शरीर से नही बल्कि मन से भी निकालना हैं। होम्योथैरेपी का मूल सिद्वांत हैं सबसे पहले बीमारी हमारे मन में पैदा होती है फिर शरीर पर प्रकट होती हैं अगर हमारा मन स्वस्थ है तो आप कभी भी बीमार नहीं रहेंगे।

आहार विशेष धरती बेन ठक्कर ने कहा कि प्राकृतिक आहार को अपनाकर हम अपने आप को पूर्णत: रोग मुक्त कर सकते हैं। गलत दिनचर्या व आहार से ही हमारे शरीर में रोग पैदा होते हैं। हमें अपनी दिनचर्या व आहार में परिवर्तन करना बहुत जरूरी है। हमें पक्वाहार अर्थात ÷अग्नि पर पक्की÷ हुई वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए हमें प्राकृतिक व्यजनों का ही सेवन करना चाहिए। रात के समय पक्व आहार के स्थान पर अपक्वाहार का सेवन करना चाहिए। शिविर की शुरूआत में आरोग्य केन्द्र के प्रमुख गुलाब राय टेवानी ने शिविर की जानकारी दी। आभार प्रदर्शन डॉ. लता टेवानी ने किया। अनुभव सत्र में शिविर में आए साधकों ने कहा, जो शारीरिक दिक्कत लेकर आए थे, उसमें काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

यह हुईं गतिविधियां

शिविर में प्रात: जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रात: कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएं एवं आनंद मेला।

अगला शिविर 24 से

अगला कैंप 24 मार्च से 02 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। शिविर एवं संस्था के जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुलाब रॉय टेवानी से मोबाइल नम्बर 7509010110, 6260777789 पर प्राप्त की जा सकती है।

अब 2021 से 23 के बीच हुई बाघों की मौत की होगी जांच

बाघों के शिकार का अंदेशा, जांच करने बनाई कमेटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जिन बाघों की मौत को वन विभाग आपसी संघर्ष मान रहा था अब उन्हीं मौतों पर अधिकारियों को शिकार का अंदेशा है। जिसे देखते हुए जांच करने के लिए एक कमेटी बनाई है। यह कमेटी वर्ष 2021 से 2023 के बीच हुई मौतों की जांच करेंगी। बांधवगढ़ में इस दौरान करीब 35 से अधिक बाघों की मौतें हुई है। जांच कमेटी बनाने से पहले विभाग के अधिकारियों ने माना है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व व आसपास के क्षेत्रों में बाघों की मौत व शिकार की अधिक घटनाएं सामने आई है। इनमें से कुछ में लापरवाही प्रतीत होती है, कुछ प्रकरणों में बाघों के पुराने क्षत-विक्षत हो चुके शव मिले थे। कुछ में मृत बाघों के शरीर के अंग गायब थे। फिर भी संदेहियों को गिरफ्तार करने के प्रयास नहीं किए गए।

उल्लेखनीय है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व है में बाघों का घनत्व अधिक है। बीते तीन वर्षों में यहां से बाघों की मौत की अधिक घटनाएं हुई है। जिनमें से ज्यादातर में वन विभाग के अधिकार खुद ही आपसी संघर्ष मान रहे थे। हाल ही के छह माह में 7 से अधिक बाघों ने जान गंवाई है, इन्हें भी जिम्मेदारों ने आपसी संघर्ष बताकर पीछा छुड़ा लिया था।

एनटीसीए के अनुसार मप्र के टाइगर रिजर्वों में वर्षवार बाघों की मौत की स्थिति

वर्ष	बांधवगढ़	कान्हा	सतपुड़ा	पेंच	पन्ना	संजय डूबरी	कुल
2021	10	06	00	08	02	00	42
2022	08	07	01	10	04	02	34
2023	15	13	03	04	05	01	43

यह भी है मौतों की वजह

विशेषज्ञों का कहना है कि बाघों की मौत में कुछ घटनाएं शिकार की हो सकती है लेकिन बाकी मौतों की वजह प्राकृतिक भी है। बाघों का घनत्व अधिक है इसलिए वास्तव में कुछ मामले आपसी संघर्ष के हैं लेकिन सभी को आपसी संघर्ष की नजर से देखा जाना, ठीक नहीं था।

आरटीई: पहले चरण में 84 हजार विद्यार्थी को सीट हुई आवंटित

निजी स्कूल की लापरवाही से बच्चा प्रवेश से वंचित हुआ, तो स्कूल को स्वयं के खर्च से करानी होगी पूरी पढ़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सीटों का आवंटन किया जा चुका है। 22 मार्च तक आवंटित सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। इधर आवंटित सीटों पर प्रवेश को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग निजी स्कूलों को हिदायत दी है कि प्रवेश के लिए गए बच्चे की समयावधि में प्रवेश रिपोर्टिंग करने की जिम्मेदारी संबंधित स्कूल की है अन्यथा द्वितीय चरण में सीटें रिक्त मानते हुए फिर से अन्य बच्चें को आवंटन हो जाएगा।

ऐसे में प्रवेश लेने के बाद प्रवेश रिपोर्टिंग नहीं किए हुए बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति की पात्रता नहीं होगी और भविष्य में स्कूल द्वारा स्वयं के व्यय पर उस छात्र की पढ़ाई करानी होगी। यानि निजी स्कूल ने अगर बच्चे के प्रवेश को लेकर लापरवाही बरती और बच्चा प्रवेश से वंचित हुआ तो निजी स्कूल को उसे फ्री पढ़ाना होगा। साथ ही आरटीई के तहत एक बार एडमिशन लेने के बाद दूसरे निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए विद्यार्थी अपात्र हो जाएंगे। स्कूल द्वारा एडमिशन रिपोर्टिंग दर्ज करने की अंतिम तिथि 23 मार्च निर्धारित है। वहीं, बीआरसीसी के लॉगिन पर स्कूल जिनमें आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट उपलब्ध है। प्रतिदिन इसकी समीक्षा व मॉनिटरिंग करेंगे।

प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए ओटीपी दिया जाएगा

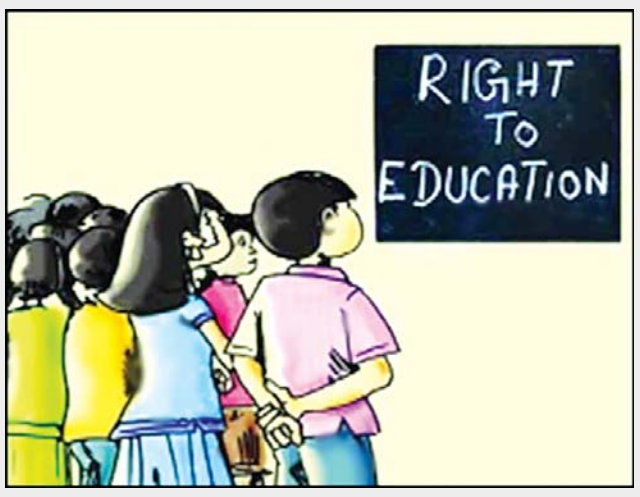

आरटीई के तहत पहले चरण में 84 हजार विद्यार्थी निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए पात्र पाए गए हैं। आरटीई की लॉटरी के 84 हजार विद्यार्थियों के प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने नए दिशानिर्देश जारी किए है। जारी आदेश में कहा गया है कि आवेदकों द्वारा आवंटन की स्थिति आरटीई पोर्टल पर देखी जा सकती है। निजी स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक द्वारा आवंटन पत्र प्रिंट करें एवं आवेदन में दर्ज मोबाइल नंबर वाला मोबाइल तथा छात्र के साथ निजी स्कूल में जाए। जिससे संबंधित स्कूल को प्रवेश सुनिश्चित करने हेतु ओटीपी प्रदान किया जा सके। पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि यह अपने बच्चे को संबंधित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते है। तभी प्रवेश प्राप्त करने की प्रक्रिया हेतु संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के उपरांत इस आवंटित स्कूल में निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित हो जाएगा। एक बार प्रवेश के पश्चात पालक को किसी अन्य निजी स्कूल में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निःशुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

जिन स्कूल में एडमिशन रिपोर्टिंग नहीं, उनकी समीक्षा

जिन स्कूल में एडमिशन रिपोर्टिंग नहीं हुई है उनकी समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी पालक द्वारा किसी स्कूल में आवंटन होने के उपरांत संबंधित स्कूल द्वारा आवंटी को प्रवेश देने से मना करने की शिकायत बीआरसी या डीपीसी सार पर प्राप्त होती है, तो तत्काल स्कूल के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कलेक्टर के माध्यम से की जाएगी।

सीधी से 5 व शहडोल से एक नामांकन दाखिल, इनमें भाजपा-कांग्रेस से एक भी नामांकन नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की छिंदवाड़ा, जबलपुर, सीधी, शहडोल, मंडला और बालाघाट लोकसभा सीट पर लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। पहले दिन बुधवार को सीधी से 2 और शहडोल से 1 प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया है। इस तरह 3 उम्मीदवारों ने 6 नामांकन दाखिल किए हैं। इनमें भाजपा व कांग्रेस जैसे मुख्य दलों से एक भी नामांकन नहीं मिला है। इन सीटों के लिए 20 मार्च को अधिसूचना जारी कर दी गई। अधिसूचना दिनांक से नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के मुताबिक नाम निर्देशन प्रक्रिया के पहले दिन लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 2 उम्मीदवारों ने 5 नाम निर्देशन पत्र एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-12 शहडोल (अजजा) में 1 उम्मीदवार द्वारा 1 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया है। चार लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-13 जबलपुर, क्रमांक-14 मंडला (अजजा), क्रमांक-15 बालाघाट एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में किसी उम्मीदवार द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल नहीं किया।

उल्लेखनीय है कि इन सीटों पर नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि बुधवार, 27 मार्च है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा गुरुवार, 28 मार्च को की जाएगी। नामांकन भर चुके प्रत्याशी शनिवार, 30 मार्च तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। पहले चरण के लिए शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होगा।

मतदान के लिए प्रदेश में 64,523 बूथ बनाए जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 80 वर्ष से ज्यादा उम्र के 2.89 लाख मतदाता घर बैठे क्षेत्र का सांसद चुन सकेंगे। 40 फीसदी तक दिव्यांगता वाले 5.79 लाख मतदाता भी सुविधा का लाभ सकते हैं। प्रदेश में 64,523 बूथ बनाए जाएंगे। इनमें से 3500 केंद्र ऐसे होंगे, जहां 100 फीसदी मतदान दल महिलाएं होंगी। सुरक्षा से लेकर मतदान कराने तक की जिम्मेदारी इन्हीं की होंगी। राजन के अनुसार महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए आयोग ने यह निर्णय लिया है। 250 बूथ ऐसे होंगे, जहां दिव्यांग अधिकारी, कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएंगी। प्रत्येक बूथ पर क्षेत्र के बीएलओ की उपस्थिति अनिवार्य है। प्रदेश में 367 बूथ ऐसे हैं, जहां 1500+ मतदाता है। ऐसे में एक-एक सहायक बूथ बनाया जाएगा। बीते विधानसभा चुनाव में 75 सीटों पर वोटिंग प्रतिशत 75 से कम था। ये मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, गुना, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, कटनी, जबलपुर, भोपाल, देवास, खंडवा, धार, इंदौर, उज्जैन, रतलाम जिले की हैं। इन क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता वाहन चलाए जाएंगे।

5.20 लाख अधिकारी, कर्मी कराएंगे चुनाव

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश की 29 सीटों पर 4 चरणों में होने वाला चुनाव 5.20 लाख अधिकारी, कर्मचारी कराएंगे। वोटिंग की पात्रता रखने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को पास जारी किए जाएंगे। संबंधित गृह जिले में सेवाएं दे रहे हैं तो वे ड्यूटी वाले बूथ पर वोट कर सकेंगे, जिस विधानसभा क्षेत्र में नाम है, वहां जाने की जरूरत नहीं होगी।

कर सकेंगे शिकायत

आयोग के टोल फ्री नंबर 180023301950 पर चुनाव संबंधी शिकायत की जा सकती है। सी-विजिल मोबाइल ऐप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों पर 100 मिनट में कार्रवाई की जाएगी। यह ऐप सक्रिय कर दिया गया है।

गृह जिले में नियुक्ति की मांग

भोपाल। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को गृह जिले में नियुक्ति किए जाने की मांग पिछले दिनों कृषि मंत्री से की है। मप्र ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ के अध्यक्ष मनोहर गिरी ने ज्ञापन दिया है जिसमें बताया है कि उक्त पद पर पदस्थापना के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर सेवाएं देनी पड़ती है जो कि गृह जिले से 600 किलोमीटर दूर तैनात कई महिला अधिकारियों को उक्त सेवाएं देने में असुविधाएं हो रही है। ये आरएईओ नियुक्ति वाले ग्रामीण क्षेत्रों से बिल्कुल भी अवगत नहीं है, जिसके कारण इन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए इन्हें गृह जिलों में नियुक्ति दी जाए।

अब प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में डीन और अस्पताल अधीक्षक की होगी स्थायी नियुक्ति

क्लीनिकल प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे, मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डीन और अस्पताल अधीक्षक की नियुक्ति व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत मेडिकल कॉलेजों में अब प्रभारी डीन, अस्पताल अधीक्षक नहीं होंगे, बल्कि इनकी स्थायी नियुक्ति की जाएंगी। प्रशासनिक पद होने के नाते यह भी शर्त रहेगी कि वह क्लीनिकल प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। अभी प्रभारी होने की वजह से वह प्रैक्टिस भी कर रहे थे। इस बदलाव से मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी। बता दें कि मेडिकल कॉलेजों पर नियंत्रण और निगरानी करने वाली केंद्रीय संस्था नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) लंबे समय से इन पदों पर स्थायी नियुक्ति के लिए कहता रहा है।

18 मेडिकल कॉलेज में भर्ती: डीन और अस्पताल अधीक्षक के पदों पर स्थायी नियुक्ति को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। 18 मेडिकल कॉलेज में डीन के स्थायी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके बाद अधीक्षकों के पद भरने की प्रक्रिया शुरू होगी।

बीज परीक्षण के लिए प्रयोगशालाएं बनेंगी

भोपाल. उद्यानिक फसलों के बीजों का परीक्षण करने प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। ये प्रयोगशालाएं एक जिला-एक नर्सरी योजना के तहत बनाई जाएंगी। 'आधुनिक तकनीकी से उद्यानिकी का समग्र विकास' विषय पर आयोजित कार्यशाला में उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह पंवार ने यह जानकारी दी है।

मेट्रो एंकर लोकसभा चुनाव : समन्वय भवन में सैद्धांतिक प्रशिक्षण

सेक्टर अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिले में लोकसभा चुनाव के लिए नियुक्त सेक्टर ऑफिसर का पहला प्रशिक्षण शुरू हो गया है। समन्वय भवन में आयोजित किया गया है। इसमें सबसे पहले दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद दोपहर तीन बजे से शाम 4 बजे तक ईव्हीएम हैण्डसऑन ट्रेनिंग दी गई। अंत में शाम 4 से 5 बजे तक प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किए गए। यह ट्रेनिंग राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर आरके शर्मा और संजय दीक्षित ने दी। इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत ऋषुराज सिंह, आयुक्त नगर निगम भोपाल हरेन्द्र नारायण, एडीएम हिमांशु चंद्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मतगणना तैयारी का जायजा लिया। इसके तहत उन्होंने पुरानी जेल में सभी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त नरेंद्र नारायण, एडीएम हर्षल पंचोली व हिमांशु चंद्र समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुविचार

``क्यों डरें ज़िन्दगी में क्या होगा कुछ ना होगा तो तर्जुबा होगा ''

-अज्ञात

संपादकीय

उलझे चुनावी गणित

लोकसभा चुनाव में सियासी गठबंधन काफी हद तक नतीजों का आकार प्रकार बनाने वाले साबित होने वाले हैं। उप्र व बिहार ऐसे राज्य हैं जो अपनी सीटों की संख्या व सियासी मिजाज के चलते काफी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। मसलन बिहार में विपक्षी महागठबंधन के मुकाबले सत्तारूढ़ एनडीए ने सीट बंटवारा फाइनल करने में इस बार बेहद तेजी दिखाई। इसके बावजूद अगर तस्वीर साफ होने का इंतजार किया जा रहा है तो उसकी वजह कुछ तो उस असंतोष में है जो चुनावी मौसम में सभी दलों और गठबंधनों के अंदर का एक अनिवार्य हिस्सा हो जाता है और कुछ इस राज्य की उन विशिष्ट राजनीतिक स्थितियों में जो पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम से तैयार हुई हैं। एनडीए के एक घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा ने सांकेतिक रूप में ही सही पर अपना असंतोष जाहिर कर दिया है। सीट बंटवारे की घोषणा के लिए आयोजित कॉन्फ्रेंस में इस पार्टी ने अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। कुशवाहा अपनी पार्टी के लिए कम से कम दो सीटें चाहते थे, लेकिन उन्हें एक सीट मिली। अब उनकी चुप्पी के चलते यह जिज्ञासा बनी हुई है कि वह इस बंटवारे को खुशी-खुशी स्वीकार करते हैं या कोई अन्य विकल्प खंगालने का फैसला करते हैं। एनडीए के सीट बंटवारा प्रकरण का एक अन्य, और थोड़ा जटिल पहलू है एलजेपी के दो परस्पर विरोधी धड़े। जब रामविलास पासवान के निधन के बाद यह पार्टी दोफाड़ हुई तो सांसदों की संख्या के मद्देनजर भाजपा ने भी पशुपति पारस को तरजीह दी। उन्हें सरकार में भी शामिल कर लिया गया लेकिन चुनाव करीब आने के बाद भाजपा ने चिराग पासवान से हाथ मिलाना बेहतर समझा। एलजेपी के हिस्से की पांचों सीटें भी उन्हीं को दे दीं। पशुपति पारस को एक भी सीट नहीं मिली तो वे नाराज हो गये और पशुपति पारस ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर एनडीए से भी विदाई ले ली। दिलचस्प है कि एनडीए से अलग होने के बाद भी पारस ने अपने अगले कदम को लेकर सस्पेंस बनाए रखा है। कहा जा रहा है कि उनकी लालू यादव से बातचीत चल रही है। देखना होगा कि इस ग्रुप के पांचों सांसद आगे क्या करते हैं। इस सस्पेंस के पीछे कुछ भूमिका तो उन अटकलों की बताई जाती है कि पारस को भाजपा नेतृत्व की तरफ से सीट के बदले किसी महत्वपूर्ण पद की पेशकश की गई है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी कही जा रही है कि उनकी रणनीति महगठबंधन का सहारा लेने के बजाय एनडीए के अंदर के अंतर्विरोध से फायदा उठाने की हो सकती है। इस संबंध में सबसे अहम माना जा रहा है जेडीयू और चिराग पासवान के बीच अतीत में दिखा छत्तीस का आंकड़ा। सवाल यह है कि पिछले विधानसभा चुनावों में चिराग पासवान की पार्टी ने जिस तरह से एनडीए में रहते हुए भी जेडीयू की सीटों की संख्या कम करने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी, क्या उसी तरह इस बार जेडीयू पशुपति पारस का इस्तेमाल करते हुए उन्हें निशाने पर लेगी? बिहार में वोट बैंक के नाजुक समीकरणों के मद्देनजर ये छोटी-छोटी लड़ाइयां भी खासी अहम साबित होने वाली हैं। इसी तरह अभी उप्र में बहुजन समाज पार्टी का रूख काफी दिलचस्पी पैदा कर रहा है, बसपा सभी सीटों पर अकेले चुनाव लडने की बात कर रही है लेकिन अटकलें हैं कि कांग्रेस और सपा उन्हें साथ आने के लिये मनाने की कोशिश में हैं। यदि तालमेल कुछ सीटों पर भी बन गया तो लोकसभा की चुनावी लड़ाई बेहद दिलचस्प हो जायेगी।

आज का इतिहास

- 1739 - फ़ारस (अब ईरान) के बादशाह नादिरशाह ने भारत पर हमला किया और अपनी सेना को दिल्ली में जनसंहार की इजाजत दी।
- 1873 - प्यूर्टो रिको में दास प्रथा की समाप्ति।
- 1882 - संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान हुई।
- 1890 - रामचंद्र चटर्जी पैराशूट से उतरने वाले पहले भारतीय व्यक्ति बने।
- 1894 - चटगांव विद्रोह का नेतृत्व करने वाले महान क्रांतिकारी सूर्य सेन का जन्म।
- 1917 - रूस की नयी सरकार को मान्यता देने वाला अमेरिका पहला देश बना।
- 1942 - सर स्टैफर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन भारत पहुंचा।
- 1946 - ब्रिटेन ने जॉर्डन को आजाद करने के लिए संधि पर हस्ताक्षर किया।
- 1947 - लॉर्ड माउंटबेटन आखिरी वायसराय के रूप में भारत आए।
- 1956 - अमेरिका में रंगभेद विरोधी नेता मार्टिन लूथर किंग को नस्लवादी कानून का विरोध करने पर जेल।
- 1957 - शक संवत पर आधारित राष्ट्रीय कैलेण्डर अंगीकार किया गया।
- 1964 - कलकत्ता में पहली विंटेज कार रैली निकाली गयी।
- 1969 - भारतीय पेट्रोकेमिकल्स निगम लिमिटेड का उद्घाटन।
- 1977 - इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया।
- 1978 - फ्रांस ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1979 - इजरायल की संसद ने मिस्र के साथ शांति संधि को मान्यता दी।
- 1982 - नासा का अंतरिक्ष यान कोलंबिया तीसरे मिशन पर रवाना।
- 1993 - पहली बार विश्व जल दिवस मनाया गया।
- 1995 - रूसी अंतरिक्ष यात्री वालेरी पेलियाकोव साढ़े चौदह माह के रिकार्ड अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी के लिए रवाना।
- 1999 - शेखर कपूर की फिल्म'एलिजाबेथ'को सर्वश्रेष्ठ मेकअप का आस्कर पुरस्कार मिला।
- 2000 - दक्षिण अमेरिका के कोरू से इनसेट 3बी का प्रक्षेपण किया गया।
- 2005 - तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता जेमिनी गणेशन का निधन।
- 2007 - पाकिस्तान ने हत्फ़-7 मिसाइल का परीक्षण किया।
- 2010- बास्केटबॉल खिलाड़ी लारेन्स टेलर यौन दुराचार के दोषी पाए गए, छह वर्ष के खेल पर प्रतिबंध लगा।
- 2011 - फुकुशइमा-एक न्युक्लियर पावर प्लांट विकिरण के स्तर की रिपोर्ट की।
- 2012 - कनाडा के मॉन्ट्रियल में दो लाख से ज्यादा लोग माध्यमिक शिक्षा ट्यूशन बढ़ोत्तरी के विरोध में मार्च किया।
- 2014 - ब्राजील की सरकार वायरलेस मांग को पूरा करने के लिए बहुत आवश्यक क्षमता प्रदान करके मोबाइल फोन कंपनियों को देश के टेलीविजन बैंडविड्थ स्पेक्ट्रम का हिस्सा नीलाम किया।

मूल्य अंतर राहत के बजाय मिले गारंटीशुदा कीमत

■ देविंदर शर्मा

सबसे पहले, अच्छी खबर। राजनीति को एक तरफ रखते हुए, छत्तीसगढ़ के किसानों के पास खुश होने के लिए पर्याप्त कारण हैं। गत 12 मार्च को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के 24.72 लाख धान किसानों के बैंक खातों में 13,320 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। यह राशि धान किसानों को कमीपूरक भुगतान के रूप में देय थी। पिछले चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा ने खरीफ 2023-24 सीजन के लिए कॉमन ग्रेड धान के लिए 2,183 रुपये प्रति क्विंटल और ए ग्रेड धान के लिए 2,203 रुपये के खरीद मूल्य पर प्रत्येक किसान से 21 क्विंटल धान खरीदा था।

3,100 रुपये प्रति क्विंटल के खरीद मूल्य के वादे और केंद्र द्वारा एमएसपी मूल्य पर खरीद के वादे के बीच 917 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर अब किसानों के खाते में डाल दिया गया है। यानी प्रतिवर्ष औसत किसान की आय में 1 लाख रुपये की वृद्धि होगी। इस साल लगभग 147 लाख टन की रिकॉर्ड खरीद के साथ, किसान निश्चित रूप से बहुत उत्साहित हैं। हालिया स्थितिजन्य आकलन सर्वे के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक किसान परिवार की औसत मासिक आय 9, 677 रुपये है। इसलिए प्रतिवर्ष करीब 1 लाख रुपये की अतिरिक्त आय किसान परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है।यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा गत 14 मार्च को नई दिल्ली में संपन्न किसान महापंचायत ने सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को जारी रखने का संकल्प लिया है। स्वामीनाथन के सी2+50 प्रतिशत फार्मूले के अनुसार एमएसपी की गणना की मांग के मुकाबले, छत्तीसगढ़ सरकार ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का खरीद मूल्य का भुगतान किया है, जो असल में डॉ. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा की गयी सिफारिश से भी अधिक है। दूसरी ओर, किसान यूनियनें कहती रही हैं कि कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा तय किए गए एमएसपी 2,183 रुपये प्रति क्विंटल पर देशभर में धान की खरीद 2+50 प्रतिशत फार्मूले के जरिये की जाती है। ए2 जेब खर्च है जो किसानों द्वारा फसल उत्पादन में खर्च होता है और एफएल का मतलब पारिवारिक श्रम की आंकी गयी लागत के रूप में है।

लेकिन अगर एमएसपी को स्वामीनाथन के सी2+50 प्रतिशत के फार्मूले (सी2 का मतलब व्यापक लागत) के अनुसार तैयार किया जाता है, तो खरीफ 2023-24 सीजन के लिए धान की कीमत 2,886.50 रुपये प्रति क्विंटल बन जाती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने वास्तव में इस विपणन सीज़न में धान किसानों को जो भुगतान किया है, वह सी2+50 प्रतिशत की सिफारिश के बराबर नहीं है, बल्कि वास्तव में सी2+60 प्रतिशत से अधिक बनता है। यह बढ़ी हुई कीमत राज्य चुनावों से पहले एक रस्साकशी का नतीजा है। इस होड़ में आगे रहने की कोशिश में, कांग्रेस ने 3,200 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदने का वादा किया था, प्रत्येक किसान से 20 क्विंटल खरीद के साथ, जबकि भाजपा ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का वादा किया था, लेकिन प्रत्येक एकड़ से खरीदे गए 21 क्विंटल के लिए कीमत सुनिश्चित की थी। यहां पिछली कांग्रेस सरकार के प्रति निष्पक्ष होने के लिए, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि छत्तीसगढ़ देश के बाकी भागों, केरल को छोड़कर, के मुकाबले धान की काफी अधिक कीमत चुका रहा था। साल 2022-23 खरीफ सीज़न के लिए, भूपेश बघेल की सरकार ने किसानों को खरीद मूल्य के अतिरिक्त 9000 रुपये प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी का भुगतान किया था।

आगामी महीनों में, छत्तीसगढ़ में धान किसानों को दिये जाने वाले ऊंचे रेट अन्य जगहों पर धान किसानों के एकजुट होने के लिए एक मुद्दा बन जाएंगे। यह देखते हुए कि हर साल 23 फसलों के लिए घोषित एमएसपी पूरे देश में एक समान है, मांग यह होगी कि छत्तीसगढ़ मॉडल के सी2+60 प्रतिशत के आधार पर धान की कीमत में एकरूपता लाई जाए। रोचक यह है कि धान के लिए प्रदान किये जा रहे एमएसपी और सी2+50 लागत, जिसकी मांग किसान यूनियनें कर रही हैं, के बीच अंतर प्रति क्विंटल 683.5 रुपये बनता है। किसान यूनियनें कहती हैं कि औसत उपज 25 क्विंटल प्रति एकड़ मानते हुए, अगर धान स्वामीनाथन के मूल्य निर्धारण फार्मूले पर खरीदा जाता है तो इसका मतलब होगा किसानों के लिए अतिरिक्त 17,075 रुपये प्रति एकड़, खासकर पंजाब जैसे राज्य में, जहां मंडियों में पूरी फसल की आवक होती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में धान के रेट (सी2+60) के हिसाब से देखें तो मौजूदा एमएसपी के साथ अंतर जिस पर केंद्र सरकार द्वारा खरीद की गयी है, वह तुलनात्मक रूप से 917 रुपये प्रति क्विंटल है। छत्तीसगढ़ की कीमतों का मतलब है धान के रेट में तुलनात्मक तौर पर सी2+50 लागत से प्रति क्विंटल 234 रुपये अधिक की बढ़ोतरी। बहरहाल, धान की अधिक कीमत ने किसानों की आशाओं-आकांक्षाओं को जगा दिया है। किसान कह रहे हैं कि अब वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिक खर्च करने में सक्षम होंगे, बाजार भी उत्साह से भरे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में विभेदकारी मूल्य तंत्र के जरिये किसानों को किया जा रहा अधिक भुगतान मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों के लिए राहतकारी है, जो लगातार स्वामीनाथन फार्मूले के मुताबिक एमएसपी बढ़ाने पर बाजार विकृति वाला तर्क देते रहे हैं, और अब छत्तीसगढ़ मॉडल द्वारा कायम किये जा रहे नए बेंचमार्क के साथ तो और भी अधिक। वे नहीं चाहते कि एमएसपी बढ़ाया जाए क्योंकि यह उनके दावे के अनुसार बाजारों को विकृत कर देगा, लेकिन अगर राज्य सरकार को भावांतर कीमत के रूप में मूल्य अंतर का भुगतान करना पड़े तो वे खुश हैं। वास्तव में, अर्थशास्त्री नहीं चाहते कि कार्पोरेट और एग्रीबिजनेस कंपनियां कृषि पदार्थों के लिए अधिक कीमत अदा करें। मेरे विचार में, यह अनुचित है और इसे पॉलिसी के तौर पर लागू नहीं करना चाहिये। यूरोपीय किसानों द्वारा हाल ही में व्यक्त क्षोभ, जिसमें बीते कुछ हफ्तों में 24 देशों के किसानों ने अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन किया, से स्पष्ट रूप से सामने आया कि जर्मनी में कृषि वाहनों के लिए डीजल सब्सिडी जैसे इन प्रोत्साहनों को किसी भी स्तर पर राजकोषीय कठिनाइयों या पर्यावरणीय कारकों का हवाला देते हुए वापस लिया जा सकता है। इसलिए एक गारंटीशुदा कीमत की ही जरूरत है।

बाजार से फसल उपज की सही कीमत देनी चाहिए। इसे कृषि उपज के लिए कम भुगतान करके और कृषि आय में नुकसान को बजटीय मदद द्वारा कवर करने के लिए छोड़ देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। पहले से ही दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में किसानों के लिए उत्पाद मदद के रूप में प्रति वर्ष 851 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर रही है ताकि कमी की भरपायी हो सके। यह अर्थव्यवस्थाओं पर बोझ है जबकि कृषि व्यवसाय से जुड़ी कंपनियां बड़े आराम से धन अर्जित कर रही हैं। ऑक्सफैम के अनुसार, दुनिया में बीते कुछ वर्षों में 68 नए खाद्य अरबपति बने हैं, जिन्हें फूड बैरन कहा जाता है। यह कहना कि उच्च एमएसपी के चलते मुद्रास्फीति अधिक हो जाएगी और बाजारों को विकृत कर देगी, और कुछ नहीं बल्कि जनता में डर पैदा करने का एक प्रयास है। महामारी वर्ष 2020 से शुरू हुए पिछले तीन वर्षों में, कॉर्पोरेट पर रिकॉर्ड मुद्रास्फीति के भंवर के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार होने का आरोप लगाया गया है। यहां तक कि आईएमएफ भी स्वीकार करता है कि मुद्रास्फीति में कॉर्पोरेट मुनाफे का हिस्सा, जिसे कॉर्पोरेट लालच के रूप में जाना जाता है, 40 प्रतिशत से अधिक है। कुछ लोग इसे ग्रीडफ्लेशन यानी लालच स्फीति कहते हैं।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

अमृतकाल

वे उस छेद पर
एक चादर
डालते हैं, फिर
चादर पर चंबल,
कंबल पर एक रजाई,
रजाई पर दूसरी,तीसरी,चौथी
रजाई,
कितनी परतें हटाओगे

जब तक छेद से चादर हटेगी
समाज आगे चला जायेगा
फिर किसी और छेद पर वही
वही
कंबल वही रजाई
फिर समाज आगे बढ़ जायेगा
देश और पीढ़ियां पछतायेंगीं..!!

-भूपेन्द्र गुप्ता 'अगम'

चुनावी मौसम में जरा देखिए बंगाल को, ममता को नकदी बांटने वाली योजनाओं पर भरोसा

■ बिमल राय

संदेशखाली मामले पर पूरे देश में शर्मसार बंगाल के चुनावी अखाड़े में आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एकला चलो रे का ही रास्ता अपनाया। ममता की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षाएं जब-तब पोस्टरों में दिखती रही हैं और उनके उत्तराधिकारी अभिषेक तो आज भी जनसभाओं में 71 साल की बुआ को पीएम पद के लिए योग्य उम्मीदवार बता रहे हैं। दीदी ने गठबंधन के लिए कांग्रेस की करुण पुकार को अनसुना करते हुए अपने 42 प्रत्याशियों की घोषणा करवा दी। चलिए, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से गठबंधन की बात को अप्राकृतिक मान लेते हैं, पर उनका उदय तो कांग्रेस से ही हुआ है।

तृणमूल को लगता है कि वह अकेले ही पीएम मोदी का अश्वमेध का घो?ा बांध लेगी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 5.7 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि 2021 के चुनावों में उसे लगभग तीन प्रतिशत मत मिले। लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 43.7 और भाजपा को 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस का पिछला वोट प्रतिशत भले ही मामूली हो, पर राज्य में लंबी उड़ान भरती दिख रही भाजपा को रोकने की कोशिश या प्रयोग वे कर सकती थीं। वामपंथी दल, खासकर सीपीएम का भी अब तक कांग्रेस से कोई चुनावी तालमेल नहीं हो पाया है। वहां भी यही सवाल बाधा बना हुआ है कि वाम वोट तो कांग्रेस को मिल जाते हैं, पर 35 साल तक विपक्ष में रहकर कामरेडों का चाबुक खाने वाले कांग्रेसी अपने घाव नहीं भुला पाते।

हां, मुस्लिमों व दलितों में तेजी से जनाधार बढ़ा रहे इंडियन सेक्युलर फ्रंट और वाम दलों से तालमेल की बात चल रही है। ममता को सबसे ज्यादा भरोसा नकदी बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर है। हालांकि संदेशखाली कांड के बाद महिलाओं ने मुखर होकर कहा कि अपनी इज्जत और स्वाभिमान के बदले उन्हें यह राशि नहीं चाहिए। बताया जाता है कि सागरदीघी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के जीतने के बाद क्षेत्र में लक्ष्मी भंडार सुविधा बंद कर दी गई थी और दोबारा यह सुविधा तब चालू हुई, जब वहां से जीते कांग्रेस प्रत्याशी बायरन विश्वास तृणमूल में लौटे। सीएए लागू होने के बाद और घायल होने से पहले ममता ने घुमा-फिराकर मंचों से ही ऐलान किया कि नागरिकता के लिए आवेदन करते ही वे अवैध नागरिक हो जाएंगे और राज्य सरकार की सारी सुविधाएं बंद हो जाएंगी।

इधर, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में आने पर हर महिला को 3-3 हजार रुपये देने का वादा कर रहे हैं। ममता ने केंद्र की ओर से जनकल्याण की योजनाओं का धन रोक देने को चुनावी मुद्दा बनाया है। हालांकि भाजपा इन योजनाओं में भ्रष्टाचार के मामलों को उछाल रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी आरामबाग रैली में साफ कहा कि लूटने वालों को लौटाना ही पड़ेगा। भाजपा पूछ रही है कि बंगाल सरकार अदालत क्यों नहीं जाती? हम देख चुके हैं कि केंद्र से पावना के मामले पर केरल हाल ही में सुप्रीम कोर्ट गया और उसे इस मसले का हल मिला।

ममता अपनी दूसरी ताकत बहुचर्चित धर्मनिरपेक्षता को मानती हैं। लेकिन बदले माहौल में यह ताकत कमजोरी के तौर पर देखी जा रही है। संदेशखाली मामले में ईडी टीम पर जानलेवा हमला करवाने वाले शेख शाहजहां को 55 दिन तक पकड़ा नहीं गया, उससे तुष्टीकरण की अवधारणा ही बलवती हुई। वैसे कुछ साल पहले ईद मिलन समारोह में सीएम ममता ने जब मंच से कह दिया कि दुधारू गाय की लात भी सही जाती है, तो इसमें छिपाने लायक कुछ रह नहीं जाता। इसके मुकाबले में राज्य की 70 फीसदी हिंदू आबादी के ध्रुवीकरण की भी संभावना बन सकती है।

इस बीच, चुनावों की घोषणा के साथ ही राज्य में रक्तपात शुरू हो चुका है। इस माहौल में एक दिन देश ने यह भी देखा कि घर में गिरकर घायल होने के बाद एक सीएम के माथे से बहता खून सूख जाता है और उनकी पार्टी अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसी तस्वीर को सर्कुलेट करती है। ध्यान रहे कि वह तस्वीर अस्पताल की थी और सीएम को घर से एंबुलेंस में नहीं, भतीजे अभिषेक अपनी गाड़ी में लाए। सीएम के घर में थोड़ी-सी रूई, एक बैंडेज और चार बूंद डेटाल का न होना बंगाल की कैसी तस्वीर पेश करता है? मेडिकल बुलेटिन में पीछे से धक्का मारने की थ्योरी भी कम दर्दनाक नहीं है! सहानुभूति लहर की उम्मीद करने वालों के प्रति हमें सहानुभूति रखनी चाहिए।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

माहेश्वरी महिला मंडल ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मनाया फाग उत्सव

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सीताराम मंदिर में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा रंग भरी ग्यारस पर फाग उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा बच्चों को राधा कृष्ण बनाया गया महिलाओं द्वारा होली के अवसर पर फाग के भजन गए एवं भजनों पर नृत्य किया गया। रंग वाली ग्यारस पर महिलाओं द्वारा भगवान को फूल एवं रंग गुलाल लगाकर होली की शुरुआत की तत्पश्चात सभी महिलाओं द्वारा एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर रंग भरी ग्यारस की शुभकामनाएं दी टेसू के फूलों से प्राकृतिक रंग बनाया गया। माहेश्वरी महिला मंडल के अध्यक्ष नीरू राठी ने बताया की इस बार होली पर सभी को लकड़ी का उपयोग कम करके कंडे लगाकर होली दहन करे जिससे पेड़ों की कटाई कम होगी एवं पर्यावरण को बचाया जा सकेगा। इस दौरान नीरू राठी सुधा कचोलिया प्रेमलता तोशनीवाल शीला सारडा बर्षा सारडा सुनीता सारडा ऊषा सारडा ऊषा साबू स्वाति कचोलिया प्रीति कचोलिया अनुपमा तोषनीवाल मोना टावरी रेनू राठी श्वेता खडलोया पूजा खडलोया नीतिका सारडा पुनीता सारडा प्रियंका सारडा शुभांगी सारडा सहित महिला मंडल उपस्थित थी।

कवि इंकलाबी की स्मृति में गुड़ी पड़वा पर होगा कवि सम्मेलन

8 अप्रैल को सेठानी घाट पर कवियों के मुख से प्रवाहित होगी काव्य धारा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा आव्हान सेवा समिति व्दारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सनातन नव वर्ष गुड़ीपड़वा की पूर्व संध्या चैत्र अमावस्या पर 19 वे वर्ष मे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसमें देश के मौलिक स्थापित कविगण माँ रेवा की कलकल धारा के साथ स्वर साधना करेंगे।

कार्यक्रम संयोजक केप्टिन करैया ने बताया की अखिल अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 8 अप्रैल सोमवार रात्रि 9 बजे से माँ नर्मदा के पावन तट सेठानी घाट पर किया जायेगा। जिसमें देश के विभिन्न अंचलों के ख्याति प्राप्त कवियों को आंमत्रित किया जा रहा है। उक्त आयोजन मे अतिथियों में जनप्रतिनिधियों,समाज सेवियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

केप्टिन करैया ने बताया की उक्त आयोजन की नीव वरिष्ठ कवि स्व.श्री संतोष इंकलाबी ने रखी थी।आज वह हमारे बीच नही है परन्तु उनकी स्मृति मे हम आज भी इंकलाबी जी व्दारा स्थापित किया आयोजन अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कराने का निर्वाहन हम निरंतर करते आ रहे है।

'अंग्रेजी भाषा में रोजगार के अवसर' विषय पर वेबिनार

नर्मदा कॉलेज में आयोजित वेबिनार में 90 विद्यार्थी लाभांवित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन विषय- ÷अंग्रेजी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर÷ पर किया गया। जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी के महत्व से परिचित कराना एवं अंग्रेजी विषय में कैरियर के संभावित क्षेत्रों से परिचित करवाना रहा। जिसमें प्रोफेसर ,स्कूल शिक्षक, व्याख्याता ,लेखक आदि बन सकते हैं ।अंग्रेजी के बेहतर संचार कौशल से न केवल सामाजिक जीवन बल्कि व्यावसायिक जीवन भी बेहतर हो सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने स्वागत उद्बोधन में अंग्रेजी को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने की सलाह दी, जिससे कि हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें और अंग्रेजी के महत्व को जान सकें । संयोजक डॉ ममता गर्ग ने विषय प्रवर्तन किया।डॉ पवन अग्रवाल मुख्य वक्ता ने छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी विषय में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों को संदर्भित किया। उन्होंने रोजमर्रा में अंग्रेजों की अनिवार्यता बताते हुए अंग्रेजी के विभिन्न क्षेत्र जैसे आईटी प्रबंधन, लेक्चर विपणन क्षेत्र ,कॉपीराइटिंग सोशल मीडिया, प्रबंधन पत्रकार, जनसंपर्क आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किये, इस अवसर पर छात्रा खुशबु मीणा, स्नेहा गौर और जया रघुवंशी ने वक्ता के विचारों को अपने निजी जीवन में उपयोग करने एवं विभिन्न विभागों की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित करने हेतु धन्यवाद फीडबैक के माध्यम से प्रस्तुत किया ।सभी छात्रों को अंग्रेजी भाषा में करियर के विभिन्न स्वरूपों को जानने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ मीनाक्षी ठाकुर द्वारा दिया गया ।इस वेबीनार से 90 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। डॉ सविता गुप्ता, डॉ नीलू दुबे, डॉ अंजना यादव, डॉ अर्चना पटेल, मेघा रावत, सहित अनेक प्राध्यापक वर्चुअली सम्मिलित हुए।

लोकसभा चुनाव अंतर्गत आरटीओ द्वारा कार्यवाही निरंतर जारी

पिकअप में भरी थी सवारी की गई चालानी कार्यवाही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आदर्श आचार संहिता के पालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा जिले के विभिन्न मार्गो पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमे वाहनों में लगी काली फिल्म, अवैध नगदी, मादक पदार्थ, हथियार, वाहनों के दस्तावेज, ओवरलोडिंग की जांच लगातार की जा रही है।

इटारसी मार्ग तथा बाबई मार्ग पर जांच अभियान चलाते हुए आरटीओ जांच दल द्वारा लगभग 165 वाहनों की जांच की गई, जिसमें 48 वाहन नियम विरुद्ध संचालित पाए जाने समन शुल्क 33 हजार 500 रुपए चालान किया गया, एक पिकअप वाहन में सवारी भरी होने पर यथास्थान सवारी खाली कराते हुए 50 हजार का चालान काटा गया तथा आगे से कभी सवारी न भरने की चेतावनी आरटीओ अधिकारी द्वारा वाहन चालक को दी गई। आरटीओ अधिकारी निशा चौहान ने बताया कि आचार संहिता का पालन करते हुए सभी वाहन नियम पूर्वक संचालित किया जाए, नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर सख्त रूप से कार्यवाही की जाएगी।

आम जनता को मतदान के प्रति जागरूक करने रैली

नर्मदापुरम.जिले भर में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से एवं मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए सुचारू रूप से स्वीप गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में जनपद पंचायत केसला के ग्राम पंचायत डोबीतालपुरा के ग्राम वासियों द्वारा आज पैदल मतदान जागरूकता रैली निकाली गई एवं ग्राम पंचायत बाबईखुर्द में आज मतदान जागरूकता बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षको, बीएलओ, ग्राम रोजगार सहायक, मोबिलाइजर, कोटवार, स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्राम वासियों ने भाग लिया एवं मतदान करने का संदेश दिया। इसी प्रकार भविष्य विशेष संस्था नर्मदापुरम में स्वीप गतिविधि अंतर्गत दिव्यांग बच्चों द्वारा पेंटिंग की गई। मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन कर मतदाता जागरूकता का संदेश आम लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभागने विश्व ओरल हेल्थ दिवस पर शहर में निकाली रैली

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जागरूक रखने एवं स्वस्थ रखने आये दिन शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इसी तारतम्य में विश्व ओरल हेल्थ दिवस पर शहरी क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता एएनएम एवं समस्त स्वास्थ्य विभाग अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा रैली का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख एवं दंत सुरक्षा हेतु समुदाय में व्यापक प्रचार प्रसार सुरक्षा एवं सावधानी हेतु जानकारी दी गई, रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर दिनेश देहलवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली को आमजन की जागरूकता हेतु शहर में जगह जगह घुमाया गया, रैली के समापन के समय सभी को एकत्रित कर निर्वाचन 2024 देश का महा त्यौहार में

शामिल होते हुए समस्त स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों ने शतप्रतिशत मतदान करने एवं मतदाताओं को जागरूक कर मतदान करवाने की शपथ ली। विश्व ओरल हेल्थ दिवस पर रैली के इस आयोजन में डी एचओ वन, सिविल सर्जन डॉ प्रजापति, डी सी एम शैलेन्द्र, राजेन्द्र चौहान, आलिया खान एवं समस्त आशा कार्यकर्ता एएनएम एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्टील सायलो में उपार्जन कार्य शुरू

विदिशा । कलेक्टर ने बुधवार पठारी हवेली में स्थित स्टील सायलो में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के कार्य का किसानो से फीता कटवाकर शुरू कराया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने किसानो का माला पहनाकर स्वागत किया। परिसर में किसानो के लिए प्रदाय की जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू , कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ विनय प्रकाश सिंह, वेयर हाउस कार्पोरेशन के प्रबंधक, डीएमओ ल्याण सिंह ठाकुर भी साथ मौजूद रहें।

मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए ईव्हीएम मशीनों का वितरण किया गया

नर्मदापुरम। लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मतदान अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए ईव्हीएम मशीनों का वितरण आज 20 मार्च बुधवार को प्रातः 11 बजे से किया गया। सहायक नोडल अधिकारी प्रशिक्षण प्रबंधन ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि उक्त कार्य में सहायक रिटर्निंग अधिकारी लोकसभा निर्वाचन सिवनीमालवा, नर्मदापुरम, सोहागपुर, पिपरिया प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उपस्थित रहे तथा आवंटित सामग्री लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के संपादित कार्यों की गहन समीक्षा की

मरीजों को त्वरित उपचार संबंधी बेहतर सुविधाएं मिले इसलिए पूरी मेहनत से जिम्मेदारियों का निर्वहन करें

विदिशा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर की अध्यक्षता में आज विदिशा के रवींद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में समस्त विकासखंड के बीएमओ, एसएमओ, बीईई, बीपीएम, बीसीएम, एएनएम, सीएचओ द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की गई है।

कलेक्टर ने समीक्षात्मक बैठक में जिले के सभी शासकीय चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा उप स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संपादित कार्यों के संबंध में कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर मिले इस हेतु पूरी लगन परिश्रम से कार्य करें। स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो इसका विशेष ध्यान रखें इस दौरान टीकाकरण कार्यों के संबंध में भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारियों का पूरी मेहनत के साथ निर्वहन करें।

कलेक्टर ने कहा कि हम सब सीखने की प्रवृत्ति को बरकरार रखें। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा विदिशा जिला व बासौदा विकासखण्ड को आकांक्षी की सूची में शामिल किया गया है अतः स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में ऐसी व्यवस्थाएं उन्नत की जाए कि मरीजो को समय पर इलाज मिल सकें ताकि स्वास्थ्य सुविधाओ के प्रति आमजनो के विश्वास में वृद्धि हो। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियोंसे कहा कि वे इस ओर सामूहिक प्रयास करें ताकि विदिशा जिला स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में किसी अन्य जिलो से पीछे ना रहें।

जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले समस्त एएनएम एवं सीएचओ को पुरुस्कृत करने का सुझाव दिया। उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अधिकारी, कर्मचारियों के पद रिक्त हैं उनकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि रिक्त पदों की पूर्ति किए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

कलेक्टर ने उपरोक्त अवसर को मतदान संदेश देने के रूप में भी किया और उन्होंने स्वंय शपथ का वाचन किया जिसे अन्य ने दोहराया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन में विदिशा जिला मतदान प्रतिशत के मामले में अव्वल रहें इस और भी हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे।

समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी, जिला टीकाकरण डॉक्टर डीके शर्मा, जिला छह अधिकारी डॉक्टर समीर किरार, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉक्टर पीके दीवान, जिला एपीडी एपिडिमियो लोजिस्ट डॉक्टर शोएब खान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री आशुतोष घुटे, जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर टीकाराम, एएसओ अजय सिरोलिया, डीसीएम डॉक्टर राकेश पंथी, प्रभारी जिला मीडिया अधिकारी बीएस दांगी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन

शून्य से शिखर पर पहुंचाने वाली पार्टी है भाजपा : लता वानखेड़े

सईद खा, सिरोंज।

आगामी लोक सभा चुनाव में 400 पार का लक्ष्य पूर्ण करने हेतु बुधवार को लटेरी रोड स्थित संस्कार गार्डन फेस 2 में सिरोंज लटेरी विधान सभा क्षेत्र का आयोजित हुआ इस अवसर पर सागर सांसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री मती डॉ लता वान खेड़े, लोकसभा संयोजक प्रभु दयाल पटेल लोकसभा विस्तारक जयप्रकाश चतुर्वेदी आशुतोष शर्मा एवं संघटन के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओ को प्राप्त हुआ विधानसभा स्तरीय इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में निष्ठावान कार्यकर्त्ता एवं महिलाये भी उपस्थित रहे वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती लता वानखेड़े ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि मैं सागर जिले की मकरोनिया पंचायत पंच और सरपंच रही हूं और आज पार्टी ने मुझे लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है जमीनी कार्यकर्ताओं का अवसर देना ऐसा केवल भाजपा में ही संभव है वही क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि देश ने जिस रामराज की कल्पना थी वह आज मोदी जी के नेतृत्व में पूरी हुई है आज भारत परम वैभव के शिखर तक पहुंचा है मोदी जी ने बीते समय में जो कार्य किए हैं निश्चित ही उन कार्यों से हमारा देश शक्ति संपन्न हुआ है आज सारा देश देख रहा है पड़ोसी देश भारत की शक्ति को देखकर हतप्रभ है वहीं उन्होंने कहा कि क्षेत्र का हर कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की जीत के लिए कार्य करेगा हम सब भारतीय जनता पार्टी की जीत के लिए तन मन और धन से काम करेंगे वहीं उन्होंने कहा कि जनता का सुख ही मेरा सुख है और जनता का दुख ही मेरा दुख है इससे पूर्व कार्यकर्ता सम्मलेन का शुभारम्भ भारत माता पंडित दीन दयाल उपाध्याय श्यामप्रसाद मुखरजी के साथ ही सिरोंज लटेरी विधानसभा के विकास पुरुष लक्ष्मी कान्त शर्मा चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से शुरू हुआ। इस अवसर पर लोक सभा विस्तारक राहुल मारण जितेंद्र बघेल, कैलाश शर्मा, मनमोहन साहू, मनोज साईनाथ के साथ बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

पहली बार नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत - सागर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती लता वानखेड़े जी को बनाए जाने के बाद पहली बार नगर आगमन हुआ जिस पर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया वही स्वागत से भाव विहाल हुई लता वानखेड़े ने कहा कि चुनाव की रीड हमारे कार्यकर्ता है आज सभी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथ केंद्र पर जाकर लाभार्थियों संपर्क करना है एवं इस क्षेत्र से प्रचंड मतों से जीत हो ऐसा हम सबको प्रयास करना है।

बूथ विजय अभियान अंतर्गत विधायक शर्मा ने किया गांव-गांव संपर्क

सिरोंज। मंगलवार को देर शाम विधायक उमाकांत शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी केन्द्र एवं मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार चलाये जा रहे हैं बूथ विजय संकल्प अभियान अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी मण्डल देवपुर के मतदान केन्द्र ग्राम जैतपुर, अनूपपुर, रूसल्ला अभयराज, चैपनाकलां, प्यासी आदि मतदान केन्द्रों पर भाजपा के पन्ना प्रभारियों, बूथ समिति एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तथा प्रवासी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय विस्तारकों के कार्यों की समीक्षा कर लाभार्थी संपर्क, युवा संपर्क, महिला संपर्क कर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया तथा उनसे प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी को पुन : प्रधानमंत्री बनाने एवं सागर संसदीय क्षेत्र से भाजपा की लोकप्रिय प्रत्याशी श्रीमती डॉ लता वानखेड़े जी को विजयी बनाने हेतु अपील की एवं केन्द्र एवं मध्प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रहीं जनहितकारी, जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी चर्चा की।

खुले में शराब पीने वालों पर नहीं हो रही कार्रवाई अतिक्रमण करके चलाए जा रहे हैं मयखाने

सिरोंज। शराब दुकान से शराब लेकर घर पर बैठकर शराब पीने के निर्देश दिए गए हैं। खुले में शराब पीने वालों पर सरकार के द्वारा कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं विकासखंड में सरकार के निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है । आबकारी विभाग से लेकर पुलिस प्रशासन के द्वारा शराबियों पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इस वजह से दिन बदन शराबियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है, महिलाओं ओर वहन बेटियों को देखकर और ज्यादा नौटंकी ऐसे लोगों के द्वारा की जाती है। एक दिन पहले एक महिला ने तो शराब के लिए पैसे मांगे पहले पति ने पत्नी को मारा फिर पत्नी ने उसको करारा जवाब दिया। मुख्य मार्गो से लेकर रास्तों सड़कों पर तथा सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर शराबियों के द्वारा शराब पीकर माहौल को खराब करने का काम किया जा रहा है। व्यस्त मार्गों पर भी शराबी शराब पीकर दिनभर हंगामा करते रहते हैं, इन पर पुलिस प्रशासन के द्वारा आखिर कारवाई क्यों नहीं की जा रही है यह किसी के समझ में नहीं आ रहा है । क्या है इनके हाथ प्रशासन से भी लंबे हैं। इसके साथ ही सड़कों पर अवैध रूप से अतिक्रमण करके शराबियों को सामग्री परोसने का काम भी कई लोगों के द्वारा किया जा रहा है उन पर भी शासन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं कर रहे है।

ग्राम पंचायत छिरारी में भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर

मनरेगा योजना तथा 14 और 15वें वित्त की राशि में भ्रष्टाचार, पर्कोयलेशन टैंक में ही बना निर्मल नीर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत लटेरी के ग्राम पंचायत छिरारी में बड़े ही चतुराई के साथ भ्रष्टाचार की गाथा लिखी गई है जिसमें एक और देखें तो मनरेगा योजना से लोगों को रोजगार और सार्वजनिक सुविधाएं इस योजना से दी जाती हैं इस मनसा से केंद्र की यह योजना चलाई जा रही है किंतु ग्राम पंचायत छिरारी में मानो सरकार की मंशा को ताक पर रखकर मनमानी की जा रही हो जब पत्रकारों की एक टीम ग्राम पंचायत छिरारी पहुंची तो देखा कि जिन लोकेशनों पर कार्य दर्शाये गए हैं वह मौके पर मौजूद ही नहीं है जिनमें अमृत सरोवर का काम नियमों को ताक पर रखकर किया गया तो वहीं लीज फीट गड्ढे जमीन में ही समा गए हैं सामुदायिक निर्मल नीर से आमजन वंचित हैं तो वही खेत तालाब का उपयोग हो ही नहीं पा रहा है तथा चेक डैम के ऊपर ही ग्रैबिन पत्थरों का डैम बना दिया गया हितेषी कूप का पता नहीं दूसरी ओर मरघट की बाउंड्री वाल का आर सी सी गड्ढे 4/4 की जगह एक बाई एक खोद कर ही कालम खड़े कर दिया तालाब जीणोद्धार मरम्मत कार्य हुआ ही नहीं जबकि पैसा पूरा ही निकाल लिया गया सामुदायिक सूखता गड्ढे दिखाई ही नहीं पढ़ते यूं कहें कि ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की पटकथा बड़े ही चतुराई से लिखी गई है ग्रामीणों का कहना है वहीं आमजन पानी से परेशान है लगभग 1 किलोमीटर दूर से जलपुर के लोग पीने का पानी लाने को मजबूर हैं ऐसा मान लिया जाए की ग्राम पंचायत छिरारी में कोई नियम बने ही नहीं जो उसे फॉलो कर सके इस पंचायत में अपने मनमाने ढंग से शासकीय पैसे का दुरुपयोग एवं योजनाओं को ताक पर रखा जा रहा है तो वही अब सोचने का विषय यह है कि इस पंचायत के द्वारा लाखों रुपया निकाल लिया गया और इसका मूल्यांकन भी क्रमबद्ध तरीके से उप यंत्री के द्वारा किया गया है तो क्या यू मान लिया जाए की इस भ्रष्टाचार में शासकीय अमला भी लिप्त है तो, वहीं दूसरी ओर पंचायत के सरपंच पति एवं रोजगार सहायक आपस में भाई है तब ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचार होना लाजमी है तो अभी तक ना तो रोजगार सहायक को कहीं दूसरी जगा अटैच किया गया है और ना ही पंचायत सचिव की नियुक्ति की ही नहीं गई तो क्या यह मान लिया जाए भ्रष्टाचार एक कारण दोनों भाइयों सरपंच सचिव का होना भी है अब देखना यह बाकी है कि भ्रष्टाचार का मामला उजागर होने के बाद कार्रवाई होना सुनिश्चित की जाएगी।

जनपद सीईओ उदय प्रताप सिंह के द्वारा जांच करने का आश्वासन दिया गया है पर क्या यह जांच ईमानदारी पूर्ण हो पाएगी यह देखना बाकी है और यदि यह जांच 100: ईमानदारी से हो जाती है तब इसमें सरपंच सचिव से लेकर कई अधिकारियों की भूमिका उजागर हो पाएगी

रिलायस स्मार्ट पाइंट मॉल ने सरकार की भारत ब्रांड दाल थोक व्यापारी को बेची, उपभोक्ता हो रहे परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के रिलायंस स्मार्ट पाइंट पर भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना को पलीता लगाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत चने की दाल 60 रूपये किलो रिलायंस स्मार्ट पाईट पर विक्रय करने के लिए भेजी गई थी। लेकिन स्मार्ट पांईट संचालक द्वारा उक्त दाल एक थोक व्यापार को ही अलग अलग बिल बनाकर बेच दी गई और उपभोक्ता परेशान होता रहा। अकसर देखा गया है कि इस स्मार्ट पांईट मॉल में भारत सरकार की योजना को जो कि उपभोक्ताओ को लाभ दिलाने के लिए चलाई जाती है उन योजनाओ के तहत जो सामान व वस्तु आती है। तो मॉल संचालक द्वारा पूरी प्लांनिग कर एक ही व्यापारी को पूरा सामान बेच दिया जाता है। वही कई लोगो ने ऐसे आरोप भी लगाए की जो मूल्य शासन द्वारा निधारित किया गया है उस मूल्य से अधिक दामो में व्यापारी से मॉल संचालक की डीलिंग हो जाती है और सामान के अलग अलग नाम से बिल बनवाकर पूरा माल उठा लिया जाता है। वही जब उपभोक्ता दाल सहित अन्य साम्रगी के लिए स्मार्ट पांईट पर पहुचा है तो पांईट पर मौजूद कर्मचारियो द्वारा उपभोक्ता से कहा जाता है कि वह चीज अभी नही है कुछ दिनो में आ आएगी। लेकिन महिनो बीत जाने के बाद भी शासन की योजना के तहत आने वाली साम्रगी के उपभोक्ताओं को दर्शन भी नही होते।

योजनाओं का लाभ उपभोक्ताओं को मिल रहा या नहीं इसकी किसी को जानकारी नहीं

सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओ का लाभ योजना प्रांरभ होने के कई महीनो बाद ही आम नागरिक को मिल पाता है। ऐसी कई योजना है जिनका लाभ आम नागरिको को नही मिल पाता। इन योजनाओं का लाभ पहले तो वह लोग लेते है जिनके हाथो में योजनाओ का काम होता है। जब उनका पेट भरा जाता है तब जाकर इन योजनाओ का लाभ आम नागरिको को मिल पाता है। स्मार्ट पांइट पर सरकार द्वारा जो दाल भेजी गई उसका किसी भी उपभोक्ता को पता ही नही चला और स्मार्ट पांईट से पूरी दाल बिक गई। उपभोक्ता द्वारा जब उक्त योजना के अंतर्गत आई दाल की जानकारी जब पांईट के मैनेजर से ली गई तो उन्होने साफ जबाव देते हुए कहा कि माल अभी खत्म हो गया है। जल्द ही आ जाएगा लेकिन वह माल आता है और वह माल मॉल में आने से पहले ही बिक जाता है। कमलेश कुशवाह,वरिष्ठ समाजसेवी सिरोंज।

2.28 लाख टन दाल की हो चुकी है खपत

सरकार द्वारा भारत ब्रांड चना दाल की बाजार में उतारे जाने के बाद से लगभग 2.28 लाख टन भारत ब्रांड चना दाल बेची जा चुकी है. शुरुआत में इसकी बिक्री 100 खुदरा केंद्रों के जरिये की गई. वर्तमान में 21 राज्यों के 139 शहरों में मौजूद 13,000 बिक्री केंद्रों से लोग भारत ब्रांड चना दाल खरीद रहे हैं. उपभोक्ता मामलों के सचिव ने इस कदम से दालों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलने का दावा करते हुए कहा, ''दालों की कीमतें एक समूह के रूप में व्यवहार करती हैं. चने की कीमतों को नीचे लाने के लिए बफर स्टॉक का उपयोग करने से अन्य दालों की कीमतों पर भी इसका पार्श्व प्रभाव पड़ता है। सरकार नेफेड, एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार और पांच राज्य सहकारी समितियों के माध्यम से भारत ब्रांड के तहत चना दाल की खुदरा बिक्री कर रही है. सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ावा देने और कीमतों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पिछले कुछ वर्षों से चने सहित विभिन्न प्रकार की दालों का बफर स्टॉक बनाकर रख रही है. फिलहाल 15 लाख टन चना सरकारी बफर स्टॉक में है।

इनका कहना है

हमारे स्मार्ट पांइट पर भारत सरकार की योजना के अंतर्गत भारत दाल ब्रांड का माल आया था। वह माल बिक गया है लेकिन हमने किसी को थोक माल नही दिया है।

ब्रजेश भारती, मैनेजर, *रिलायंस स्मार्ट पांइट सिरोंज।*

भारत के प्रधानमंत्री मोदी की योजना क्या

दाल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगने के लिए सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में भारत दाल ब्रांड के तहत चने की दाल बेचना शुरू किया था। इसके एक किलो के पैक की कीमत 60 रुपये रखी गई थी और 30 किलो का बैग 55 रुपये किलो के भाव पर उपलब्ध है। अभी इसे नैफेड, एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार और सफल के जरिए बेचा जा रहा है। साथ ही यह कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध है। सरकार का दावा है कि लॉन्च के चार महीने के भीतर ही भारत ब्रांड की चना दाल ने 25 प्रतिशत मार्केट कब्जा लिया है। इसकी वजह यह है कि यह मार्केट में मौजूदा दूसरे ब्रांड की तुलना में सस्ती है। दूसरे ब्रांड्स के चना दाल की कीमत 80 रुपये के आसपास है जबकि भारत चना दाल 60 रुपये किलो मिल रही है। दाल की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार चना, तुअर, उड़द, मूंग और मसूर की दाल का बफर स्टॉक रखती है। बाजार में कीमतों को रेगुलेट करने के लिए इस स्टॉक को रिलीज किया जाता है। सरकार ने तुअर और उड़द की दाल पर इम्पोर्ट ड्यूटी खत्म कर दी है जबकि मसूर की दाल पर इसे जीरो कर दिया गया है। साथ ही तुअर और उड़द पर स्टॉक लिमिट लगा दी गई है ताकि इसकी कालाबाजारी न हो पाए।

भारत ब्रांड चना दाल ग्राहको के बीच बढ़ा रही अपनी लोकप्रियता

ग्राहकों के बीच भारत ब्रांड की चना दाल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। चार महीने में ही इसने एक चैथाई मार्केट कब्जा लिया है। अब तक 2.28 लाख टन भारत ब्रांड चना दाल की बिक्री हो चुकी है। हर महीने औसतन 45,000 टन दाल की बिक्री हो रही है। शुरुआत में 100 रिटेल दुकानों में इसकी बिक्री हो रही थी लेकिन अब इसे 21 राज्यों में 139 शहरों में 13,000 दुकानों के जरिए बेचा जा रहा है। सरकार के इस कदम से दालों की महंगाई को काबू में रखने में मदद मिली है। यह पहला मौका है जब सरकार भारत ब्रांड के तहत चने के दाल की रिटेल बिक्री कर रही है। इसे नैफेड, एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार और पांच राज्य कोऑपरेटिव्स के जरिए बेचा जा रहा है। ये एजेंसियां सरकार से चना खरीदकर इसे प्रोसेस करती हैं और भारत ब्रांड के तहत बेचती हैं। अभी सरकार के पास 15 लाख टन चने का स्टॉक है। सरकार ने हाल में भारत चावल की रिटेल बिक्री शुरू की है। शुरुआत में इसके तहत पांच लाख मीट्रिक टन चावल बेचा जा रहा है। इसे नैफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के जरिए बेचा जा रहा है। इसे 29 रुपये किलो के भाव पर बेचा जा रहा है। भारत चावल पांच किलो और 10 किलो के पैक में उपलब्ध है। भविष्य में इसे मोबाइल वैन और फिजिकल आउटलेट्स के जरिए बेचने का भी प्लान है। साथ ही सरकार भारत ब्रांड के तहत आटा भी बेच रही है। इसका 10 किलो का बैग 275 रुपये में मिल रहा है।

मेट्रो एंकर | 2 साल में भी सीएम राइज स्कूल के लिए जिम्मेदार जगह की तलाश नहीं कर पाए पूरी

साढ़े 38 करोड़ मंजूर, सरकार की महत्वपूर्ण योजना को लग रहे हैं पलीता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा प्राइवेट स्कूलों से भी अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सर्व सुविधा युक्त सीएम राइज स्कूल बनाने के लिए दो वर्ष पहले साढ़े 38 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उक्त राशि से सुंदर व्यवस्थित रूप से भवन की बिल्डिंग के साथ जो सुविधा प्राइवेट स्कूलों में होती है उससे भी बेहतर सुविधाओं के साथ ग्राउंड अन्य सुविधाएं तैयार करना है करने की जिम्मेदारी भोपाल विकास प्राधिकरण के कंधों पर है उनकी लापरवाही या फिर स्थानीय अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों की आरुचि के कारण काम धरातल पर होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है, कई बार जगह फाइनल होते-होते बदल गई आखिर कितने सालों में भवन के लिए जगह पसंद हो पाएगी इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। अब आचार संहिता भी लग गई है तो इसका भी बहाना सभी को मिल जाएगा। सिरोंज विकासखंड में छोड़कर बाकी जिले में अन्य विकास खण्डों में तो भवन बनने का काम प्रारंभ हो चुका है।

यहां पर कब तथा किस जगह पर भवन बनेगा इसका भी कोई अता-पता नहीं है। 2 साल पहले जो राशि मंजूर हुई है उसे हिसाब से निर्माण कार्य होना आता पर जितना समय जगह तलाश करने में लगेगा उतना ही नुकसान भी होगा महंगाई बढ़ने पर भवन बनाने के लिए ठेकेदार मिलना भी मुश्किल हो जाएगा।

आखिर जगह तलाश में 2 साल क्यों बीत गए

क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा तो वैसे ही विकास को लेकर सक्रिय रहते हैं । इसके बाद भी इनके क्षेत्र में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को बट्टा लगाने का काम किया जा रहा है । निर्माण होने के बाद इसका लाभ नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में पढ़ने वाले गरीब वर्ग के बच्चों को सबसे ज्यादा मिलेगा क्योंकि इनके पास प्राइवेट स्कूलों में इस सुविधा के साथ अपने बच्चों को पढ़ने के लिए मोटी फीस जमा करने की व्यवस्था नहीं है। उनके हित में भी इस काम को समय सीमा में जिम्मेदार नहीं करवा पा रहे हैं। सेवा की भावना लेकर जिम्मेदार अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि भवन बनवाने के लिए धरातल पर काम करना होगा तभी जगह फाइनल हो पाएगी नहीं तो ऐसे ही गेंद इस पालें या उस पालें में चलती रहेगी। अभी इसी बात की चर्चा हो रही है कि कहां पर भवन बनवाया जाए आरोन रोड पर बिल्डिंग बनने की ज्यादा संभावना है । सभी लोगों की जुबान पर एक ही बात की चर्चा है कि 2 साल में भवन बनने की बात तो दूर है जगह की पूर्ति भी शिक्षा विभाग के जिम्मेदार नहीं कर पाए हैं । इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है की कितनी लापरवाही से इस काम को जिम्मेदार करते हुए नजर आ रहे हैं। इन्हें सीएम राइज स्कूल निर्माण की शायद कोई चिंता ही नहीं है।

कम जगह के कारण नहीं दे रहे है एडमिशन

सीएम राइज स्कूल का संचालन पुरानी बिल्डिंग में होने से वहां पर जगह का अभाव है पहले से ही वहां पर दूसरा स्कूल संचालित होता है ।इस वजह से शासन की इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत संचालित होने वाले सीएम राइज स्कूल में नवीन बच्चों को प्रवेश भी स्कूल प्रबंधन के द्वारा नहीं दिया जा रहा है। इसके पीछे उनका तर्क होता है की जगह नहीं होने के कारण हम बच्चों को कहां बिठाएंगे जबकि यहां पर नर्सरी से लेकर 12वीं तक के बच्चों को उच्च श्रेणी की शिक्षा प्रदान करने के लिए योजना प्रारंभ की गई है। विकासखंड में इतनी महत्वपूर्ण योजना मूर्ति रूप नहीं ले पा रही आखिर किसके द्वारा बार-बार ब्रेक लगाया जा रहा है।

जगह फाइनल होने के बाद कलेक्टर करेंगे आवंटित

शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा पहले भूमि चिन्हित करनी होगी इसके बाद जमीन की मांग के संबंध में जिला कलेक्टर को शिक्षा विभाग के द्वारा आवेदन किया जाएगा जिससे कि यहां पर बिल्डिंग बनाने के लिए जमीन इनको प्राप्त हो सके उसमें भी काफी समय लगेगा ऐसी रहेगी प्रकिया जमीन पर बिल्डिंग बनाने के लिए जिला कलेक्टर के पास आवेदन होगा वहां से आवेदक जांच के लिए एसडीएम के पास आएगा इसके बाद एसडीएम जमीन के लिए प्रतिवेदन संबंधित तहसीलदार से मांगेंगे फिर इसी प्रक्रिया से आवेदन वापस होते हुए स्वीकृति के लिए कलेक्टर के पास पहुंचेगा फिर वहां से जमीन शिक्षा विभाग को आवंटित करने की मंजूरी कलेक्टर के द्वारा दी जाएगी तब जाकर भवन बनाने के लिए रास्ता बन पाएगा फिर टेंडर लगेंगे इसके उपरांत निर्माण कार्य प्रारंभ हो पाएगा जिसमें काफी समय अभी भी लग जाएगा तब तक जो राशि मंजूर हुई है उस राशि में बिल्डिंग का बना भी मुश्किल हो जाएगा इसीलिए क्षेत्र के अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों को गंभीरता से बच्चों के हितों को ध्यान रखते हुए बिना स्वार्थ भाव से जमीन आवंटित करवा कर स्कूलों बनाने का काम करना चाहिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोन रोड पर एक जगह देने की प्लानिंग प्रशासन के द्वारा की गई है जो लगभग 5 से 6 एकड़ के करीब है पहले उक्त भूमि लीज पर थी अब वह शिक्षा विभाग को दी जा सकती है।

इनका कहना है

अभी जहां पर स्कूल लग रहा है वहां पर जगह कम होने के कारण हम बच्चों के एडमिशन भी नहीं ले पा रहे हैं। भवन बनकर तैयार हो जाएगा तो यहां पर बच्चों को सभी सुविधाएं मिलेंगी एडमिशन भी होंगे।

महेश ताम्रकार *प्राचार्य सीएम राइज स्कूल*

जल्दी ही मैं सिरोंज आकर सीएम राइज स्कूल के लिए जगह फाइनल करवा कर भूमि का आवंटन करने के लिए सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करके इस काम को प्राथमिकता पर करवाएंगे।

आर के ठाकुर *जिला शिक्षा अधिकारी*

स्कूल के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया चल रही है शिक्षा विभाग को जगह फाइनल करनी है।

संजय चैरसिया *तहसीलदार*

सीएम राइज स्कूल के लिए सबसे पहले शिक्षा विभाग को जहां पर स्कूल की बिल्डिंग बनानी है उस जगह को चिन्हित करना होगा फिर कलेक्टर के पास आवेदन होगा वहां से जांच प्रतिदिन हमारे पास आएगा तो हम तत्काल भूमि आवंटित करके प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज देंगे।

हर्षल चैधरी *एसडीएम*

दोनों टीमों की टेस्ट सीरीज नवंबर महीने में होगी शुरू

5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम जाएगी ऑस्ट्रेलिया, पर्थ में पहला मैच

नईदिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अपने घर में खेले जाने वाले 5 टेस्ट मैचों के लिए वेन्यू की घोषणा कर दी है. हालांकि पूरे कार्यक्रम की घोषणा अगले कुछ दिन में हो जाएगा. उम्मीद की जा रही है कि सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाए. हाल ही में इसी मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज का एक मुकाबला खेला गया था, जहां दर्शकों की संख्या काफी कम रही थी. जिसको देखते हुए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने बेहतर प्रयास से इस स्टेडियम को खचाखच भरने की कोशिश कर रही है. एक रिपोर्ट के अनुसार इस स्टेडियम में 60 हजार नए सीट लगाए जाएंगे. पर्थ में भारतीय टीम ने कई ऐतिहासिक मुकाबला खेला है. इस स्टेडियम के रिनोवेशन के बाद यहां अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें सभी मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी है. रिनोवेशन के बाद इस स्टेडियम में पहला मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था, जहां कंगारुओं ने भारतीय टीम को 146 रन से शिकस्त दी थी. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को भी मात दी है. यहां की पिच तेज गेंदबाजी के लिए फादेमंद मानी जाती है और बड़ी बाउंड्री होने के नाते यहां रन बनाना बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल हो जाता है. भारतीय टीम इस साल नवंबर के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर सकती है. 2014-25 के बाद से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में हारी नहीं है. 2018-19 में खेली गई सीरीज को भारत ने 2-1 से अपने नाम किया. 2020-21 में भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा और इस बार भी भारत ने 2-1 से सीरीज अपने नाम किया. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं भारतीय टीम भारत में भी कंगारुओं पर भारी पड़ी है और 2004 के बाद से कोई सीरीज नहीं गंवाई है।

पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को इस साल के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में हराने का मंत्र पता लगा लिया है. भारत इस साल के अंतिम महीनों में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाला है. दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मैच पर्थ में होगा और एडिलेड दूसरे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा होगा. तीसरा और पांचवां टेस्ट क्रमशः ब्रिसबेन और सिड्नी में खेला जाएगा और चौथे मैच यानी बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की बात करें तो ये पहले की तरह ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा. दोनों टीमों की यह टेस्ट सीरीज साल 2024 के नवंबर महीने में शुरू होगी और अगले साल यानी 2025 के जनवरी महीने तक जारी रहेगी. एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एडिलेड में होने वाला सीरीज का दूसरा टेस्ट डे-नाइट मैच होगा. पांच मैच किन मैदानों पर खेले जाएंगे, इसकी पुष्टि कर दी गई है लेकिन अभी तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सभी मैचों की तारीख का ऐलान नहीं किया है. यह जरूर बताया गया है कि तारीखों का ऐलान मार्च महीने के समाप्त होने से पहले कर दिया जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने पिछली 4 टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है और इस बार भी शानदार लय को जारी रखना चाहेगी।

पिछले साल भारत ने जीती थी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

पिछले साल यानी 2023 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भारत की मेज़बानी में खेली गई थी. घरेलू सरज़मीं पर खेली गई चार मैचों की टेस्ट सीरीज़ में भारत ने 2-1 से जीत दर्ज की थी. नागपुर में खेले गए सीरीज़ के पहले मुकाबले में भारत ने मेहमान ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 132 रनों से करारी शिकस्त दी थी. इसके बाद दिल्ली में खेले गए दूसरे मुकाबले में मेज़बान भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी. फिर इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पलटवार करते हुए 9 विकेट से जीत हासिल की थी. लेकिन फिर सीरीज़ अहमदाबाद में खेला गया सीरीज़ का आखिरी मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ था. इन दोनों देश के बीच 2020-21 में खेली गई सीरीज से पहले पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ ने पर्थ को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की थी। उल्लेखनीय है कि मौजूदा समय में सिर्फ भारत को ही ऐसी टीम माना जा रहा है, जो ऑस्ट्रेलिया को उसी के मैदान पर हराने में सक्षम है।

स्विस ओपन सुपर बैडमिंटन टूर्नामेंट

त्रिषा-गायत्री दूसरे दौर में

बासेल. स्विटजरलैंड, एजेंसी

भारत की त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने अमरीका की एनी जू और केरी जू को 21-15, 21-12 हराया। अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रेस्टो ने इंडोनेशिया की राचेल और मीलीसा की जोड़ी को 21-18, 12-21, 21-19 से शिकस्त दी। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत ने स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने अंतिम-32 में मलेशिया के लियोंग जून हाओ को 21-19, 15-21, 21-11 से हराया। वहीं श्रीकांत ने चीनी ताइपे के वांग तजु-वेई को 21-17, 21-18 से मात दी। महिला एकल में पीवी सिंधू ने अंतिम-32 में थाइलैंड की पोर्नपिचा चोइकीवोंग को आसानी से 21-12, 21-13 से हराया।

वॉलीबॉल लीग

फाइनल में दिल्ली और कालीकट के बीच आज से होगा मुकाबला

चेन्नई, एजेंसी

कालीकट हीरोज और दिल्ली तूफान्स के बीच गुरुवार को यहां प्राइम वॉलीबॉल लीग के तीसरे सीजन का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। खास यह है कि दोनों ही टीमें पहली बार इस लीग के फाइनल में पहुंची हैं। कालीकट के कप्तान जेरोम विनीथ ने कहा, हम भले ही फाइनल में पहुंच गए हैं लेकिन हम संतुष्ट नहीं हैं, क्योंकि हमें खिताब से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। वहीं, दिल्ली टीम के कप्तान सकलैन तारिक ने कहा, हम फाइनल में चैंपियन बनने के साथ अपने अभियान को खत्म करना चाहेंगे। हमने लीग में अभी तक जैसा प्रदर्शन किया है, वैसा ही फाइनल में करेंगे।

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस में होगा आयोजित

2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। भारत 2023 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त कर चुका है। भारतीय खिलाड़ी भले ही इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे हों, लेकिन भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अनुराग ठाकुर ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है। भारत 2030 यूथ ओलंपिक और 2026 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी।

पेरिस के बाद लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन में होंगे ओलंपिक

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल

एजेक्स पर 3-0 से बड़ी जीत हासिल की

लियोन, एजेंसी

क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में चेल्सी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और एजेक्स पर 3-0 से बड़ी जीत हासिल की। चेल्सी के लिए जोएका नुस्केन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक दो गोल 44वें और 83वें मिनट में दागे। वहीं, 19वें मिनट में लॉरेन जेम्स ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी। आठ बार की पूर्व चैंपियन लियोन ने यूएफा महिला चैंपियंस लीग के अंतिम-8 के पहले लेग में बेनफिका को कड़े मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। 2022 में आखिरी बार चैंपियन बनने वाली लियोन के लिए 79वें मिनट में विजयी गोल सारा दाब्रितेज ने दागा। इससे पहले, तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। आंद्रिया फारिया ने हालांकि बेनफिका को 43वें मिनट में बढ़त दिला दी थी लेकिन डेलफिन कास्कारिनो ने 63वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'थ्री इडियट्स' के दिनों को माधवन ने किया याद, कहा- राजू सुनते सबकी हैं, लेकिन करते मन की हैं

साल 2009 में आई फिल्म 'थ्री इडियट्स' आज भी आर माधवन के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक फिल्म है। थ्री इडियट्स को मशहूर निर्देशक राजू हिरानी ने निर्देशित किया था। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान माधवन थ्री इडियट्स% की शूटिंग से जुड़े कई दिलस्चप खुलासे किए। थ्री इडियट्स में आर माधवन ने पहली बार निर्देशक राजकुमार हिरानी के साथ काम किया था। अभिनेता ने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहते हैं, यह फिल्म सिर्फ राजू के लिए ही नहीं हम सबके लिए काफी खास थी। थ्री इडियट्स में हम काफी कुछ अलग कर रहे थे। मुझे अच्छी तरह से याद है कि कैसे फिल्म में बच्चे की डिलीवरी वाले दृश्य को फिल्माया गया था। आर माधवन अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, कई लोगों ने राजू से कहा कि यह दृश्य फिल्म के लिए सही नहीं है इसे फिल्म से हटा दो, लेकिन राजू ने किसी की नहीं सुनी। राजू ने फैसला किया कि फिल्म में वह दृश्य बिल्कुल वैसे ही रखा जाएगा। थ्री इडियट्स में आर माधवन के अलावा आमिर खान और करीना कपूर अहम भूमिका में नजर आए थे। आज भी दर्शकों को फिल्म का ऑल इज वेल डायलॉग याद है। आर माधवन ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से किया था। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। इन दिनों उनकी फिल्म 'शैतान' बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। इस फिल्म में एक विलेन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं।

पंकज बोले- आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से जानते हैं...

पंकज त्रिपाठी इंडस्ट्री के नामी अभिनेता हैं। कोई भी किरदार वे पूरी शिद्दत से अदा करते हैं। उन्होंने वर्ष 2004 में फिल्म 'रन' से डेब्यू किया। हालांकि, इंडस्ट्री में अपनी पहचान कायम करने में पंकज त्रिपाठी को काफी वक्त लग गया। फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से वे दर्शकों की नजरों में आए। इसमें सुल्तान कुरैशी के रूप में पंकज त्रिपाठी की भूमिका को काफी सराहा गया। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पंकज त्रिपाठी बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म के भी चहेते स्टार बन चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर पर बात की। पंकज त्रिपाठी का कहना है, अगर आज लोग मुझे मेरे किरदारों के नाम से पुकारते हैं तो यह मुझे बेहद अच्छा लगता है। हालांकि, शुरुआत में करीब छह-सात साल पहले मुझे बुरा लगता था, जब लोग मेरा नाम नहीं जानते थे। अभिनेता ने आगे बताया, लोग पूछते थे, आप एक्टर हो, उस फिल्म में सुल्तान का रोल किया था। मेरी हमेशा से ख्वाहिश थी कि लोगों को मेरा नाम मालूम हो और आज, हर कोई मेरा नाम जानता है। वे मेरे किरदारों से इतना प्यार करते हैं।

अभिनेत्री अमृता की सास व ननद सैफ को मारा करती थीं ताना...

सैफ अली खान और अमृता सिंह एक दौर में बॉलीवुड के पॉपुलर कपल थे. ना सिर्फ वे अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखने की वजह से चर्चा में थे बल्कि दोनों के बीच 12 साल की उम्र का फासला था. सैफ अली खान और अमृता सिंह ने 1991 में शादी की थी. रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों ने अपने घरवालों के खिलाफ जाकर शादी की थी. उस दौर में अमृता का करियर पीक पर था, वहीं सैफ अली खान ने तब डेब्यू भी नहीं किया था. अमृता सिंह और सैफ अली खान के बीच 12 साल का फासला होना, उस दौर के लिए आम बात नहीं थी और ऐसे में दोनों की शादी ने काफी सुर्खिया बटोरी. हालांकि दोनों का रिश्ता 13 साल तक ही चल पाया और इसके बाद सैफ और अमृता ने डिवोर्स लेकर अपनी रास्ते अलग कर लिए. उस वक्त उनके तलाक की वजह दोनों के उम्र में फर्क को बताया गया. लेकिन असल वजह कुछ और ही थी. **सुसराल वालों से ऐसा था अमृता का बर्ताव:** मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमृता सिंह के अपने ससुराल वालों के साथ रिश्ते ठीक नहीं थे. एक्ट्रेस का अपनी सास शर्मिला टैगोर के साथ बर्ताव ठीक नहीं था और ना ही उनकी ननद सबा अली खान और सोहा अली खान से बनती थी. इसके अलावा सैफ अली खान और अमृता के बीच भी रिश्ता ठीक नहीं चल रहा था. अमृता अक्सर सैफ अली खान को ताने मारा करती थीं. **सैफ ने की दूसरी शादी, अमृता ने नहीं बसाया घर:** अमृता सिंह और सैफ अली खान के दो बच्चे हैं, जिनके नाम सारा अली खान और इब्राहिम अली खान हैं. साल 2004 में सैफ अली खान और अमृता सिंह का तलाक हो गया. इसके बाद साल 2012 में सैफ ने करीना कपूर से शादी कर ली. करीना सैफ से उम्र में 10 साल छोटी हैं. ऐसे में उनकी शादी ने भी खूब सुर्खिया बटोरीं. वहीं पति से अलग होने के बाद अमृता सिंह ने अब तक दूसरी बार शादी नहीं की.

मेट्रो बाजार

वित्तीय बाजारों में शैडो एआई का उदय, निवेशकों की चिंता बढ़ी

मुंबई, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधुनिक वित्त की आधारशिला बन गई है, जो अद्वितीय अंतर्दृष्टि और दक्षता प्रदान करती है। हालांकि, इसके लाभों के साथ-साथ, 'शैडो एआई' के उद्भव के बारे में चिंता बढ़ रही है, जो पारंपरिक निरीक्षण के बाहर काम करने वाले एआई सिस्टम को संदर्भित करता है। एआई का यह अनधिकृत या अनैतिक उपयोग वित्तीय बाजारों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है, जिसमें साइबर सुरक्षा खतरे, बाजार में हेरफेर और गोपनीयता उल्लंघन शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि शैडो एआई गुप्त रूप से काम करता है, मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वायत्त निर्णय लेता है। इसके उपयोग से बाजार में अस्थिरता आ सकती है और वित्तीय संस्थानों में विश्वास कम हो सकता है। बैंकिंग ग्राहकों के लिए, इसका मतलब संभावित गोपनीयता उल्लंघन और सुरक्षा जोखिम है, क्योंकि उनका डेटा बिना सहमति के एकत्र और विश्लेषण किया जाता है। यह वित्तीय प्रभावों के बारे में भी चिंता पैदा करता है, क्योंकि एआई-संचालित रणनीतियों से बाजार में व्यवधान पैदा हो सकता है जिससे निवेश प्रभावित हो सकता है। इक्विटी बाजारों में शैडो एआई के निहितार्थ गहरे हैं। एआई-संचालित ट्रेडिंग एल्गोरिदम अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं और बाजार में हेरफेर के लिए इसका फायदा उठाया जा सकता है। नियामकों को इन विकासों के साथ तालमेल बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एआई का तेजी से विकास नियामक निरीक्षण से आगे निकल जाता है। पर्सनल फाइनेंस भी प्रभावित हो सकता है, एआई-संचालित उत्पाद संभावित रूप से पूर्वाग्रह प्रदर्शित करते है।

अब देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार

नईदिल्ली,एजेंसी। गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान 'इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट' भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट साल 2023 में 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत-अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में साल 2023 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2023 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

राजधानी में कई जगह हुई सड़क दुर्घटनाएं

लोडिंग ऑटो की टक्कर से स्कूटर सवार भाई-बहन घायल, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाने के पास लोडिंग वाहन की टक्कर से स्कूटर सवार भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए और स्कूटर क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अमित कुमार जैन (42) दानिश नगर मिसरोद में रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। अमित ने पुलिस को बताया कि बीती 18 मार्च की रात करीब ग्यारह बजे उनका भाई संस्कार जैन और बहन अपनी स्कूटर से शांति निकेतन घर लौट रहे थे। दोनों जैसे ही बागसेवनिया थाने के पास मेन रोड पर पहुंचे, वैसे ही एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अरेरा कॉलोनी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है। मंगलवार की रात अमित ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

दोस्त के साथ बैठकर बातचीत कर रहा किशोर अचानक घायल हुआ

जहांगीराबाद स्थित मुर्गी बाजार के पास दोस्त के साथ बैठकर बातचीत कर रहा एक किशोर अचानक ही नुकीली चीज लगने से घायल हो गया। उसे नुकीली चीज किसने फेंककर मारी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के समय हमला करने वाला कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद फैजान (17) मुर्गी बाजार में किराए के मकान में रहता है और यहीं एक मछली की दुकान पर काम करता है। मंगलवार की रात करीब सवा नौ बजे वह मुर्गी बाजार स्थित स्टेट बैंक सामने फुटपाथी दुकान के पीछे बैठकर दोस्त के साथ बातचीत कर रहा था। अचानक ही उसकी पीठ में बायीं तरफ कोई नुकीली चीज आकर लगी। फैजान ने हाथ लगाकर देखा तो खून निकल रहा था। उसने चारों तरफ नजर दौड़ाई, लेकिन नुकीली चीज फेंककर मारने वाला कोई नहीं दिखाई दिया। फैजान ने पुलिस को बताया कि उसका किसी से कोई झगड़ा भी नहीं हुआ था। बाद में वह अपने दुकान मालिक को लेकर थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं।

कार चालक ने अचानक खोला गेट, टकराकर स्कूटर सवार बुजुर्ग व्यक्ति हुए घायल

हबीबगंज इलाके में एक कार चालक ने अचानक कार रोकी और ड्रायवर साईड का गेट खोल दिया, जिससे पीछे चल रहे स्कूटर सवार बुजुर्ग व्यक्ति टकरा गए। इस हादसे में बुजुर्ग को गंभीर चोट आई है। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल के छोटे भाई की रिपोर्ट पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अशोक पवार अलकापुरी बागसेवनिया में रहते हैं और रिटायर्ड शासकीय कर्मचारी हैं। उनके साथ बड़े भाई अरविंद पवार (70) भी रहते हैं। मंगलवार दोपहर करीब बारह बजे अरविंद पवार स्कूटर लेकर काम से कोलार जाने का कहकर घर से निकले थे। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह 11 नंबर मेडिकल स्टोर के पास पहुंचे, तभी उनके आगे चल रही कार के चालक ने अचानक कार रोकी और बगैर पीछे देखे ड्रायवर साईड का गेट खोल दिया। इससे पीछे रहे अरविंद की स्कूटर टकरा गई और गिरकर घायल हो गए। उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। उसके बाद उसी कार चालक ने अरविंद को इलाज के लिए नर्मदा अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल

इंस्टाग्राम पर ब्रांडेड जूते सस्ते बेचने के नाम पर ठगी करने वाले गिरफ्तार

तीन लाख रुपए की नगदी और चार डेबिट कार्ड, आई कार्ड समेत पेन कार्ड जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज पुलिस ने सदगुरू बैंक के पास कल दोपहर दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है। जालसाजों के पास से तीन लाख रुपए की नगदी, दो-दो डेबिट कार्ड,पेन कार्ड, आई कार्ड और दो दो मोबाइल भी जब्त किए है। आरोपी इंस्टाग्राम पर ब्रांडेड और विदेशी जूतों का विज्ञापन डालकर वाट्स एप नंबर डाल देत थे। पंद्रह से बीस हजार रुपए का जूते महज पंद्रह सौ रुपए में मिलने का एड देखकर लोग ठगी का शिकार हो रहे थे। एक साल में आरोपी सैकड़ों लोगों से ठगी कर चुके थे।

एसआई अंकित बघेल ने बताया कि कल बुधवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली थी कि अरेरा कॉलोनी के पास सदगुरू बैंक के पास दो संदिग्ध युवक मास्क लगाकर खड़े है और वह जालसाज है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम राजकुमार और कमलेश मेवाड़ा बताया। उनकी तलाशी लेने पर उनके पास से दो दो मोबाइल मिले।इसके अलावा कुल चार डेबिट कार्ड अलग अलग नामों के मिले। आरोपियों के पास से तीन लाख रुपए की नगदी भी मिली थी।

काम की तलाश में आए थे भोपाल

पुलिस आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने लेकर पहुंची थी। उनके मोबाइल चेक किए गए तो पता चला कि आरोपी सोशल मीडिया पर महंगे जूतों के विज्ञापन देकर लोगों से ठगी कर रहे थे। विदेशी ब्रांड के पंद्रह से बीस हजार रुपए के जूतों का ऐड वह गुगल से कॉपी कर उसे पंद्रह सौ रुपए में बेचने का प्रलोभन देते थे। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर अपना वाट्स एप नंबर भी डाल रखा था। इंस्टाग्राम में लोग विज्ञापन देखते थे और उन्हें लगता था कि पंद्रह से बीस हजार रुपए का जूता सिर्फ पंद्रह सौ रुपए में मिल रहा है तो वह जालसाजों से संपर्क करते थे। इसके बाद आरोपी उनसे खाते में रुपए जमा करा लेते थे और उनका नंबर ब्लॉक कर देते थे। आरोपी अब तक कितने नंबर ब्लॉक कर चुके हैं। इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

परीक्षा देने बहन के घर आई युवती से दुष्कर्म, दहेज में मांगे चार लाख

बलात्कार के बाद शादी का प्रलोभन, फिर आरोपी और उसके भाईयों ने मांगा दहेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित जनता कॉलोनी में छतरपुर से परीक्षा देने आई युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म की शिकायत पीड़िता ने छतरपुर पुलिस से शिकायत की थी। छतरपुर पुलिस ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर केस डायरी हबीबगंज पुलिस को सौंप दी है।

हबीबगंज पुलिस ने बलात्कार और दहेज की मांग करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार 24 साल की युवती छतरपुर की रहने वाली है। उसकी बहन की शादी जनता क्वार्टर हबीबगंज में हुई?है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि जनवरी 2023 में वह परीक्षा देने भोपाल आई?थी। इस दौरान जनता क्वार्टर हबीबगंज में रुकी थी। यहां उसकी बहन के देवर ब्रजबारी साहू ने उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर वह कहने लगा कि जल्द ही शादी कर लेंगे। पीड़िता ने घटना की जानकारी परिजन को दी और परिजन शादी करने लिए तैयार हो गए। इस दौरान ब्रजबारी और उसके रमेश समेत विपिन ने शादी की हामी भरते हुए कहा कि दहेज में चार लाख रुपए लगेंगे। इसके बाद ही शादी होगी। पीड़िता ने घटना की शिकायत छतरपुर पुलिस से की थी। वहां से केस डायरी आने के बाद हबीबगंज पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

महिला के मोबाइल पर भेजे गंदे मैसेज और वीडियो

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ गंदे मैसेज और वीडियो भेजने पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 33 वर्षीय महिला स्वयं की बिजनेस करती हैं। पिछले दिनों उनके मोबाइल वाट्सएप पर अज्ञात मोबाइल धारक ने गंदे-भद्दे मैसेज भेजे चो पढ़ने में बुरे लग रहे थे। महिला ने जब उक्त मोबाइल धारक को पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो उसने उनका नंबर ब्लाक कर दिया। उसके बाद पीड़िता ने थाने जाकर वाट्सएप के स्क्रीन शॉट के साथ मामले की शिकायत की। पुलिस मोबाइल धारक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

कोलार में शातिर बदमाश से चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के तीन दोपहिया वाहन बरामद किये हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने नशे के लिए लिया गया कर्जा उतारने के लिए वाहन चोरी करना बताया। पुलिस आरोपी से वाहन चोरी की अन्य घटनाओं को लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि गेहूंखेड़ा वाली पुलिया के पास एक व्यक्ति मोटर सायकिल लेकर खड़ा है और उसे सस्ते दामों पर बेचने की बात कर रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बताए गए हुलिए के संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर वह अलग-अलग नाम बताने लगा। हिकमत अमली से पूछताछ युवक ने अपना नाम अरुण मालवीय उर्फ लुयी उर्फ मच्छर (34) निवासी वंदना नगर कोलार रोड बताया। उसके पास मौजूद बाइक के बारे में पूछताछ पर बताया कि एक सप्ताह पहले कोलार रोड स्थित डीमार्ट की पार्किंग से चोरी किया था और बेचने की फिराक में घूम रहा था। आरोपी को थाने लाकर पूछताछ करने पर चोरी की एक बाइक और एक स्कूटर और बरामद हुई। यह दोनों वाहन भी उसने कोलार रोड से ही चोरी किए थे। आरोपी से वाहन चोरी की अन्य घटनाओं में पूछताछ की जा रही है।

बिना मुंडेर के कुंए में गिरा बालक, मौत परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चार दिन से लापता बालक का बिना मुंडेर के कुएं में शव मिला है। बताया जाता है कि वह घर से खेलने निकला था, जिसके बाद घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने मिसरोद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी। इस दौरान बुधवार दोपहर बालक का कुएं में शव मिला। पुलिस मर्ग कायम कर विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि अभय लोधी पिता दीपक लोधी 10 वर्ष निवासी रामलीला मैदान के पास मिसरोद 17 मार्च को सुबह करीब 9 बजे घर से खेलने निकला था। 11 बजे तक घर नहीं पहुंचा तो परिजन तलाश करने लगे। काफी खोजबीन के बाद भी बालक नहीं मिला तो रात 9 बजे थाने पहुंचकर गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच चल रही थी। जहां बालक खेला रहा था, वहां आसपास लगे सीसीटीवे फुटेज खंगाल रहे थे। बुधवार दोपहर परिजनों ने थाने पहुंच कर बालक का शव मिलने की सूचना दी।

महिला के सूने मकान से दिनदहाड़े एक लाख से अधिक के जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन स्थित एक महिला के सूने मकान से दिनदहाड़े सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत करीब एक लाख से अधिक का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय महिला अपने बच्चों के साथ दुकान पर थी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक सुनीता मीणा (42) संतोष नगर झुग्गीबस्ती, कोलुआ कलां, अशोका गार्डन में रहती हैं। वह कोलुआ में ही साड़ी और सिलाई सेंटर चलाती हैं। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे सुनीता अपने घर पर ताला लगाकर बच्चों के साथ सेंटर पर चली गई थी, जबकि पति प्रकाश मीणा औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में काम करने गए थे। शाम करीब पांच बजे सुनीता घर लौटी। ताला खोलकर भीतर जाने का प्रयास किया तो पता चला कि दरवाजा भीतर से बंद है। दीवार फांदकर वह अंदर पहुंची और दरवाजा खोला तो भीतर दोनों कमरों और अलमारी के ताले टूटे मिले। चैक करने पर अलमारी में रखे एक जोड़ पायजेब चांदी की, एक जोड़ करधनी चांदी की, पायल चांदी की चार जोड़, बिछिया सोलह जोड़, सोने के दो मंगलसूत्र, एक जोड़ झुमकी सोने की, दो हाय सोने की और 17 हजार रुपए नकद गायब थे। इसके अलावा बैग के अंदर रखे दुकान के कागजात और साड़ियों के बिल भी गायब थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर आईजी, डीआईजी और पुलिस अधीक्षकों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

स्वतंत्र, निष्पक्ष तरीके से कराएं लोकसभा चुनाव: डीजीपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत मध्य प्रदेश पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस मुख्यालय में बुधवार को डीजीपी सुधीर सक्सेना ने जोनल पुलिस महानिरीक्षक, रेंज उप महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस ली और रणनीति तैयार की। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस बार चुनाव के दौरान ईद और होली का त्योहार पुलिस के सामने बड़ी चुनौती है। इस संबंध में डीजीपी ने रमजान, होली और ईद के अवसर पर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिलों में शांति समितियों की बैठकें करने के साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी धर्म-गुरुओं से समय-समय पर संवाद और समन्वय बनाए रखें। कहीं किसी प्रकार की समस्या या परेशानी होने की स्थिति में उसका समाधान समय से सुनिश्चित कराया जाए। त्योहारों के मद्देनजर सभी ध्यान रखें कि सांप्रदायिक सद्भाव बना रहे। बैठक के दौरान जिलों के अधिकारियों ने त्योहारों में भीड़, शांति समिति की बैठकों, शराब, मादक पदार्थों की जब्ती और चुनाव के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए क्या इंतजाम किए है, इस बारे में बताया।

अवांछित तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई

डीजीपी ने कहा कि प्रजातांत्रिक प्रणाली में निष्पक्ष चुनाव करवाना हर पुलिसकर्मी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि अवांछित तत्वों के विरुद्ध कड़ी निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। सभी संवेदनशील क्षेत्रों व हॉट स्पॉट की लिस्ट बनाकर वरिष्ठ अधिकारी खुद उनका भ्रमण करें व सुरक्षा प्रबंधों की भी समीक्षा करें। उन्होंने मतदान केंद्रों, स्ट्रांग रूम तथा मतगणना केंद्रों की सुरक्षा के प्रभावी प्रबंधन, माफिया के विरुद्ध कार्रवाई, शराब व मादक पदार्थ तस्करों की धरपकड़ और अवैध शस्त्रों की बरामदगी को लेकर विस्तार से निर्देश दिए। डीजीपी ने निर्देश दिया कि अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट को सक्रिय किया जाए। अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए।

सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखें

डीजीपी ने कहा कि प्रत्येक जिले में सोशल मीडिया सेल स्थापित है। सभी लोग सोशल मीडिया और इंटरनेट की सूक्ष्मता से मॉनिटरिंग करें और उचित कार्रवाई करें। उन्होंने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर प्रसारित संदेशों व वीडियो पर सतर्क दृष्टि रखने के निर्देश दिए। यदि कोई भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही है तो अविलंब इसका खंडन करें % इसके अलावा पुलिस अधीक्षक रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर विशेष निगरानी रखें व इन स्थानों से आने-जाने वाले संदिग्धों की जानकारी जुटाएं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022